DELHI CRIME 26 sep 2022:Layout 1 9/25/2022 9:12 AM Page 1

निष्पक्ष, निर्भीक, स्वतंत्र विचार व अपराध निरोधक मुख्य हिन्दी राष्ट्रीय समाचार पत्र

दिल्ली क्राईम व भ्रष्टाचार विरोधी मोर्चा

DELHI CRIME WA BHRASHTACHAR VIRODHI MORCHA

Website- Delhicrimepress.in
Email-info@delhicrimepress.in

RNI No. DELHIN/2005/15378 | DCP Lic. No. F-2(D-9)PRESS/2005 | वर्ष-01 | सोमवार 26 सितंबर 2022 | पीडीएफ अंक-159 | पृष्ठ-8 | मूल्य-निःशुल्क

मौसम

अधिकतम –32 | सूर्योदय – 6 : 11
न्यूनतम – 25 | सूर्यास्त – 6 : 13

सोना चांदी

साप्ताहिक मुद्रा बाजार बंद

अर्थसार

साप्ताहिक शेयर बाजार रहा बंद

न्यूज फ्लैश

अंकिता को आखिरी विदाई

-माने प्रदर्शनकारी, हुआ अंतिम संस्कार

ऋषिकेश। उत्तराखंड के श्रीनगर में साढ़े 8 घंटे चले प्रदर्शन के बाद रविवार को अंकिता भंडारी का अंतिम संस्कार कर दिया गया। पहले परिवार ने डिटेल्ड पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट सावर्जनिक करने की मांग कर अंकिता का अंतिम संस्कार करने से इनकार कर दिया था। बाद में प्रशासन के समझाने पर परिवार राजी हो गया, लेकिन प्रदर्शन कर रहे लोग इसके लिए तैयार नहीं थे। सुबह 9 बजे से लोग हाथ में अंकिता की फोटो लेकर ऋषिकेश-बद्रीनाथ हाईवे जाम कर प्रदर्शन कर रहे थे। शव को मॉचुर्री से श्मशान ले जाते वक्त भी प्रदर्शनकारियों ने एंबुलेंस रोकने की कोशिश की। एक महिला एंबुलेंस के सामने लेट गई। उसे पुलिस ने हटाया। अंकिता के पिता ने मॉचुर्री के बाहर जमा लोगों से भावुक अपील की, जिसके बाद भीड़ छंटने लगी। अंतिम संस्कार अलकनंदा नदी किनारे एनआईटी घाट पर किया गया। पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट के मुताबिक, अंकिता की मौत पानी में डूबने से हुई। धक्का देने से पहले उसे किसी भारी चीज से पीटा गया। उसके शरीर पर चोट के निशान भी मिले। रिपोर्ट में सेक्शुअल एब्यूज या रेप का जिक्र नहीं है। इधर, उत्तराखंड के सीएम पुष्कर सिंह धामी ने कहा है कि केस की सुनवाई फास्ट ट्रैक कोर्ट में होगी।

स्कूल में मुस्लिम बच्चों से भजन गवाने और सूर्य नमस्कार कराने पर लगे रोक

नई दिल्ली। मुत्तहिद मजलिस-ए-उलेमा ने कश्मीरी स्कूलों में मुस्लिम छात्रों के भजन गाने और सूर्य नमस्कार करने पर चिंता जताई है। संगठन ने कहा कि घाटी में हिंदुत्व के एजेंडे को आगे बढ़ाने के उद्देश्य से स्कूलों व शैक्षणिक संस्थानों के जरिए लागू की जा रही गतिविधियों पर रोक लगनी चाहिए। मालूम हो कि एमएमयू करीब 30 धार्मिक, सामाजिक और शैक्षणिक संगठनों वाला ऑगेनाइजेशन है। एमएमयू ने एक बयान में कहा, 'स्कूलों और दूसरी शैक्षणिक संस्थानों में मुस्लिम छात्रों को हिंदू धार्मिक गीत गाने और सूर्य नमस्कार करने के लिए कहा जा रहा है। यह कश्मीर की मुस्लिम पहचान को कमतर करने की दुर्भाग्यपूर्ण कोशिश है। इस मामले को लेकर हमने श्रीनगर की जामा मस्जिद में बैठक की। इसमें कहा गया कि ये फरमान मुस्लिमों की धार्मिक भावनाओं को आहत पहुंचाते हैं और उनमें आक्रोश पैदा करते हैं। संगठन ने कहा कि बैठक के दौरान सर्वसम्मति से एक प्रस्ताव पारित किया गया और 'संतों की घाटी' की मुस्लिम पहचान को कमजोर करने पर गंभीर चिंता व्यक्त की गई। मीटिंग के दौरान यह फैसला हुआ कि इस तरह की गतिविधियों पर जल्द से जल्द रोक लगनी चाहिए। गौरतलब है कि हाल में एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ था, जिसमें एक सरकारी स्कूल के छात्रों को 'रघुपति राघव राजा राम' गाते हुए देखा गया था। एमएमयू ने अभिभावकों से अनुरोध किया कि अगर उनके बच्चों को सरकारी स्कूलों में गैर-इस्लामिक गतिविधियों में भाग लेने के लिए विवश किया जाता है तो उन्हें अपने बच्चों को इन स्कूलों से निकालकर उनका निजी स्कूलों में दाखिला करवाना चाहिए।

योगी राज में सभी स्कूलों में योगा होगा अनिवार्य, प्रस्ताव तैयार

-हर जिले में मिलेगा प्रशिक्षण

लखनऊ। उत्तर प्रदेश की योगी आदित्यनाथ सरकार सूबे के सभी विद्यालयों में योगा अनिवार्यता लागू कर रही है। ड्राफ्ट की पूरी रूपरेखा तैयार कर ली गई और फाइनल टच देने के लिए उत्तर प्रदेश शासन को भेजा गया है जिसके बाद इसे अमल में लाया जाएगा। अपर मुख्य सचिव स्पोर्ट्स नवनीत सहगल के मुताबिक, योगा को कंपलसरी करने का मकसद है कि ज्यादा से ज्यादा युवाओं के टैलेंट को पहचाना जा सके। दरअसल 5 से 14 साल तक के बच्चों में स्पोर्ट्स की तरफ झुकाव ज्यादा होता है इसलिए स्कूलों में योगा अनिवार्य करने का प्लान तैयार किया गया है। इस अभियान में पब्लिक एसोसिएशन पार्टनर से पब्लिक रिलेशन पार्टनरशिप और पब्लिक प्राइवेट पार्टनरशिप को भी जोड़ा जाएगा। नवनीत सहगल के मुताबिक लखनऊ के गुरु गोविंद सिंह स्पोर्ट्स कॉलेज लखनऊ को सेंटर ऑफ एक्सीलेंस डेवलप करने को कहा है जिसमें तीन स्पोर्ट्स को रखा गया। इनमें स्पोर्ट्स जर्नलिज्म, स्पोर्टस लॉ और स्पोर्ट्स डाटा एनालिटिक्स शामिल हैं। ये सभी यूथ के लिए होंगे। सभी जिला मुख्यालयों के स्पोर्ट्स स्टेडियमों में योग के प्रशिक्षण एवं अभ्यास की सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी। ताकि बच्चों के टैलेंट को निखारा जा सके। राज्य सरकार, उत्तर प्रदेश स्पोर्ट्स डेवलपमेंट के लिए लगभग 100 करोड रुपये फंड की भी शुरूआत कर रही है। इस फंड से योगा ट्रेनिंग प्रोग्राम चलाए जाएंगे, खिलाड़ियों और स्कूली छात्रों के लिए इस क्रम में योगा की ट्रेनिंग स्पोर्ट्स स्टेडियम में हर जिले में दी जाएगी।

चंडीगढ़ हवाई अड्डे का नाम बदलकर भगत सिंह के नाम पर रखा जाएगा: प्रधानमंत्री मोदी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार को घोषणा की कि महान स्वतंत्रता सेनानी को श्रद्धांजलि के रूप में चंडीगढ़ हवाई अड्डे का नाम अब शहीद भगत सिंह के नाम पर रखा जाएगा। प्रधानमंत्री मन की बात कार्यक्रम के 93वें संस्करण में अपने विचार साझा कर रहे थे। मोदी ने कहा, 28 सितंबर को अमृत महोत्सव का एक विशेष दिन आ रहा है। इस दिन हम भारत मां के वीर सपूत भगत सिंह की जयंती मनाएंगे। भगत सिंह की जयंती के ठीक पहले उन्हें श्रद्धांजलि स्वरूप एक महत्वपूर्ण निर्णय किया है। यह तय किया है कि चंडीगढ़ एयरपोर्ट का नाम अब शहीद भगत सिंह के नाम पर रखा जाएगा। प्रधानमंत्री ने 29 सितंबर से गुजरात में शुरू होने वाले राष्ट्रीय खेलों में भाग लेने जा रहे खिलाड़ियों को शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि खिलाड़ियों का उत्साह बढ़ाने के लिए वह स्वयं इस मौके पर मौजूद रहेंगे। कोरोना के कारण पिछली बार इसे रद्द कर दिया गया था। भारत में चीतों की वापसी के बारे में बात करते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि नामीबिया से 17 सितंबर को आठ चीतों के भारत लौटने के बाद 130 करोड़ भारतीय खुशी और गर्व से भर हुए हैं। लोगों का सवाल कि हमें चीतों को देखने का अवसर कब मिलेगा का उल्लेख करते हुए मोदी ने कहा कि चीतों की निगरानी के लिए एक टास्क फोर्स बनाई गई है जो यह तय करेगी कि चीते यहां के माहौल में कितने घुल-मिल पाए हैं। इसी

आधार पर कुछ महीने बाद कोई निर्णय लिया जाएगा। उसी के बाद लोग चीतों को देख पायेंगे। उल्लेखनीय है कि नामीबिया से भारत लाये आठ चीतों को मध्य प्रदेश के कुनो नेशनल पार्क में रखा गया है। प्रधानमंत्री ने देशवासियों से चीतों के लिए चलाए जा रहे अभियान के नामकरण को लेकर सुझाव मांगे हैं। इस प्रतियोगिता का ईनाम चीता देखने का पहला मौका भी दिला सकता है। उन्होंने कहा कि माई गॉव के प्लेटफार्म पर एक प्रतियोगिता आयोजित की जाएगी। जलवायु परिवर्तन से समुद्र और तटीय पारिस्थितिक तंत्र पर मंडरा रहे बड़े खतरे के प्रति आगाह करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि इनसे निपटने के लिए गंभीर और निरंतर प्रयास करना हमारा दायित्व है। उन्होंने कहा कि जलवायु परिवर्तन समुद्री परिस्थितिक तंत्र के लिए बड़ा खतरा बना हुआ है और दूसरी और हमारे तटों पर गंदगी भी परेशान करने वाली है। उन्होंने स्वच्छ सागर और सुरक्षित सागर अभियान का भी उल्लेख किया। यह अभियान 5 जुलाई से शुरू होकर 17 सितंबर को विश्वकर्मा जयंती तक चला था। प्रधानमंत्री ने भारतीय सेना द्वारा पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर में आतंकवादी शिविरों के खिलाफ 2016 की सर्जिकल स्ट्राइक को याद करते हुए कहा, आप सभी के पास 28 सितंबर को जश्न मनाने की एक और वजह भी है। जानते हैं क्या है! मैं सिर्फ दो शब्द कहूंगा लेकिन मुझे पता है, आपका जोश चार गुना ज्यादा बढ़ जाएगा। ये दो शब्द हैं- सर्जिकल स्ट्राइक। बढ़ गया ना जोश! प्रधानमंत्री मोदी ने देश के प्रखर मानवतावादी, चिन्तक और विचारक पंडित दीनदयाल उपाध्याय को उनकी जयंती (25 सितंबर) पर याद करते हुए कहा कि वह देश के महान सपूत थे। उन्होंने कहा कि आजादी के बाद देश में पनपी हीन भावना से हमें आजादी दिला कर उन्होंने बौद्धिक चेतना को जागृत किया। किसी देश के युवा जैसे-जैसे अपनी पहचान और गौरव पर गर्व करते हैं, उन्हें अपने मौलिक विचार और दर्शन उतने ही आकर्षित करते हैं। दीनदयाल जी ने विचारों के संघर्ष और विश्व की उथल-पुथल को देखते हुए एकात्म मानव दर्शन और अंत्योदय का एक विचार देश के सामने रखा।

राष्ट्रपति मुर्मू 26-28 सितंबर तक कर्नाटक के दौरे पर रहेंगी

नई दिल्ली। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू 26 से 28 सितंबर तक कर्नाटक का दौरा करेंगी। राष्ट्रपति के रूप में किसी भी राज्य की उनकी यह पहली यात्रा होगी। राष्ट्रपति भवन ने रविवार को एक विज्ञप्ति जारी कर कहा कि राष्ट्रपति मुर्मू 26 सितंबर को मैसूर में चामुंडी पहाड़ियों पर स्थित चामुंडेश्वरी मंदिर में पूजा-अर्चना कर दस दिन तक चलने वाले मैसूर दशहरा महोत्सव का शुभारंभ करेंगी। उसी दिन वह हुबली-धारवाड़ नगर निगम द्वारा हुबली में आयोजित सम्मान समारोह 'पौरा सम्मान' में भी शामिल होंगी। वह धारवाड़ में भारतीय सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान धारवाड़ के नए परिसर का भी उद्घाटन करेंगी। 27 सितंबर को राष्ट्रपति बेंगलुरु में हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड की एकीकृत क्रायोजेनिक इंजन निर्माण सुविधा का उद्घाटन करेंगे। उस अवसर पर, वह वर्चुअल जोनल इंस्टीट्यूट ऑफ वायरोलॉजी (दक्षिण क्षेत्र) की

आधारशिला भी रखेंगी। उसी दिन, राष्ट्रपति सेंट जोसेफ विश्वविद्यालय के उद्घाटन समारोह में शामिल होंगी और बेंगलुरु में उनके सम्मान में कर्नाटक सरकार द्वारा आयोजित एक नागरिक स्वागत समारोह में भी भाग लेंगी।

मोदी सरकार ने सीमाओं को मजबूती प्रदान करने दी शीर्ष प्राथमिकता : अमित शाह

नई दिल्ली। देश की सीमाओं की सुरक्षित निगरानी को लेकर केंद्र सरकार काफी गंभीर है। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि केंद्र की नरेंद्र मोदी सरकार ने देश की सीमाओं को मजबूत करने को शीर्ष प्राथमिकता दी है और यही कारण है कि मौजूदा शासन के तहत इन इलाकों में बुनियादी ढांचा विकास पर खर्च बढ़ा है। नेपाल की सीमा से लगे बिहार के किशनगंज जिले में फतेहपुर चौकी पर सशस्त्र सीमा बल (एसएसबी) के कर्मियों को संबोधित करते हुए शाह ने देश की अंतरराष्ट्रीय सीमा की पहरेदारी कर रहे जवानों की कल्याण जरूरतों के प्रति केंद्र के संवेदनशील होने का भी उल्लेख किया। उन्होंने कहा, 2008 और 2014 के बीच, सालाना करीब 4,000

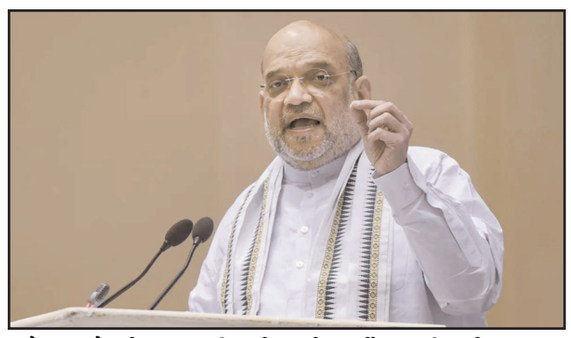

करोड़ रुपये सीमा पर बुनियादी ढांचे पर खर्च किये गये। बाद में, यह प्रतिवर्ष बढ़ कर 6,000 करोड़ रुपये हो गया। शाह ने फतेहपुर, रानीगंज, आमगाछी, पेकाटोला और बेरिया चौकियों के भवनों का उद्घाटन करते हुए यह कहा। गृह मंत्री ने कहा कि केंद्र में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) सरकार के तहत सीमावर्ती बुनियादी ढांचा परियोजनाओं पर 44,600 करोड़ रुपये खर्च किये गये हैं। शाह ने कहा, इसके चलते सीमावर्ती सड़कों की कुल लंबाई 3. 5 गुना बढ़ गई। उन्होंने कहा, सीमा पर तैनात हमारे कर्मी राष्ट्रीय आपदा के समय और कानून व्यवस्था से जुड़ी स्थितियों में भी योगदान देते हैं। सरकार ने इसे महसूस किया है और उन्हें तथा उनके परिवार को बेहतर सुविधाएं मुहैया करने पर काम रही है। उन्होंने कहा कि सरसरी तौर पर देखने पर ऐसा प्रतीत होता है कि नेपाल और भूटान जैसे मित्र देशों के साथ लगी सीमा की पहरेदारी करने के कारण एसएसबी का काम आसान है। शाह ने कहा, ह्यलेकिन हम जानते हैं कि आपके समक्ष आने वाली चुनौतियां कम नहीं हैं क्योंकि बाड़ रहित इलाकों में गश्त करना कठिन है। स्थानीय लोगों में आपकी छवि और सद्भावना एक अहम भूमिका निभाती है। उन्होंने इस बात का उल्लेख किया कि एसएसबी जवानों ने उत्साह के साथ हर घर तिरंगा अभियान में भाग लिया और नागरिकों को 10 लाख तिरंगा वितरित किया गया।

नासिक के डीआरडीओ कार्यालय परिसर में दूसरी बार दिखा ड्रोन

मामले की जांच स्थानीय पुलिस के साथ क्राइम ब्रांच, एटीएस और एटीबी को सौंपी गई

मुंबई, (हि.स.)। नासिक में रक्षा अनुसंधान और विकास संगठन (डीआरडीओ) कार्यालय के पोस्ट नंबर दो के पास शनिवार शाम को करीब सात बजे दूसरी बार ड्रोन देखा गया। इसकी शिकायत डीआरडीओ के सुरक्षाकर्मी ने रविवार को आडगांव पुलिस स्टेशन में अज्ञात व्यक्ति के विरुद्ध दर्ज करवाई है। इससे पहले 25 अगस्त को रात करीब 10 बजे आर्टिलरी सेंटर इलाके में एक ड्रोन देखा गया था। नासिक में डीआरडीओ कार्यालय कुल 9 किलोमीटर क्षेत्र में फैला है। इसके कुछ किमी की दूरी पर

एचएएल और ओजर एयरपोर्ट का क्षेत्र है। पोस्ट नंबर दो के पास शनिवार शाम को करीब सात बजे दूसरी बार ड्रोन देखा गया। इसलिए नासिक पुलिस कमिश्नरेट ने इस घटना को गंभीरता से लिया है और मामले की जांच स्थानीय पुलिस के साथ क्राइम ब्रांच, एटीएस और एटीबी को सौंप दी है। पिछले महीने 25 अगस्त को रात करीब 10 बजे गांधीनगर में कॉम्बैट आर्मी एविएशन ट्रेनिंग स्कूल के आसपास ड्रोन उड़ाया गया था। इसके बाद भी अज्ञात ड्रोन उड़ाने वाले के विरुद्ध मामला दर्ज करवाया गया था, लेकिन अभी तक जांच में कोई प्रगति नहीं हुई है। आडगांव पुलिस स्टेशन की टीम इस मामले की गहन छानबीन कर रही है।

कांग्रेस को वोट दोगे तो राहुल गांधी और भाजपा को दिया तो जय शाह का विकास होगा : केजरीवाल

अहमदाबाद। गुजरात विधानसभा के इस साल के अंत में होने वाले चुनाव की तारीखों का फिलहाल ऐलान नहीं किया गया है, लेकिन भाजपा, कांग्रेस और आप समेत अन्य राजनीतिक दलों ने प्रचार-प्रसार तेज कर दिया है। खासकर आप ने भाजपा का गढ़ जीतने के लिए पूरी ताकत झोंक दी है। दिल्ली के मुख्यमंत्री और आम आदमी पार्टी के संयोजक अरविंद केजरीवाल आज पंजाब के मुख्यमंत्री के साथ गुजरात पहुंचे। अहमदाबाद में केजरीवाल के तीन अलग अलग कार्यक्रम किए गए। जिसमें उन्होंने गुजरात में बेरोजगारी के मुद्दे पर राज्य की भाजपा सरकार कड़े प्रहार किए। साथ ही कहा कि अगर कांग्रेस को वोट दोगे तो राहुल गांधी का और भाजपा को वोट दिया तो अमित शाह के बेटे जय शाह का विकास होगा। ये लोग गुजरात की प्रगति देख नहीं सकता। गुजरात के युवाओं को हम रोते नहीं छोड़ेंगे। भगतसिंह ने सोचा भी नहीं होगा कि आजादी के बाद देश की ऐसी हालत होगी 27 सालों में लोगों को रोजगार नहीं मिला। सरकरी स्कूलें खराब और आए दिन पर्चा लीक होने जैसी घटनाएं हो रही हैं, इसके बावजूद आप ऐसे लोगों को वोट क्यों दे रहे हो? उन्होंने कहा कि गुजरात को 27 साल बाद कुछ नया मिलेगा। केजरीवाल ने कहा कि कांग्रेस तो भाजपा से भी ज्यादा खराब है। कांग्रेस को वोट देने के बजाए आप के पक्ष में मतदान करो, हमारे पास मजबूत विकल्प है और हमारी पार्टी कट्टर राष्ट्रवादी है। केजरीवाल ने गुजरात में भर्ती को लेकर घोषणा करते हुए कहा कि राज्य में हमारी सरकार बनते ही बड़ी भर्ती करेंगे। जुलाई महीने तक तलाटी की भर्ती हो जाएगी। टीएटी और टीएटी-2 की भर्ती मई महीने में करेंगे और उम्मीदवारों की पसंदगी के जिले में उनकी नियुक्ति करेंगे। पीएसआई और पीए की भर्ती भी नवंबर में शुरू करेंगे और दिसंबर में नियुक्त कर देंगे सभी भर्ती के लिए प्रतीक्षा सूची बनाएंगे जो एक वर्ष तक चालू रहेगी। सरकारी परीक्षा देने जानेवाले उम्मीदवारों के लिए मुफ्त परिवहन की व्यवस्था की जाएगी। उन्होंने कहा कि गुजरात में प्राइवेट नोकरियों में 80 प्रतिशत गुजरात के युवाओं को लिए आरक्षित रखा जाएगा। आज राज्य में फोरेस्ट गार्ड, पुलिस, पूर्व सैनिक, कर्मचारी आंदोलन कर रहे हैं ऐसा लगता है जैसे कर्मचारी अपने आंदोलन के जरिए गुजरात में बदलाव करना चाहते हैं।

Vacancy

ब्यूरो चीफ
डिप्टी ब्यूरो चीफ
रिपोर्टर

दिल्ली क्राइम प्रेस के राष्ट्रीय अखबार से जुड़कर बने अपने जिले के समाचार और विज्ञापन प्रभारी।
अधिक जानकारी के लिए संपर्क करें +91 83750 00984

एडवांस जर्नलिज्म एंड रिपोर्टिंग टेक्निक कोर्स
रिपोर्टिंग में अपना भविष्य बनाने वाले लोगों के लिए सुनहरा मौका

जॉब प्लेसमेंट 100 परसेंट गारंटीड
अधिक जानकारी के लिए संपर्क करें +91 8375000984

DELHI CRIME 26 sep 2022:Layout 1 9/25/2022 9:12 AM Page 2

सम्पादकीय

जीतने वाले कभी हार नहीं मानते

लक्ष्य के बिना मनुष्य का जीवन दिशाहीन और व्यर्थ है। जिस तरह बिना गोली के बंदूक बेकार होती है। उसी प्रकार जिन लोगों की जिंदगी में कोई लक्ष्य नहीं होता वो जीता तो है लेकिन भटकता रहता है और किसी काम का नहीं होता। लक्ष्य को तय करने की राह आसान नहीं होती, इसमें इंसान कई बार गिरता है। उसे असफलता का सामना भी करना पड़ता है। कई बार ऐसी स्थिति आती है जब मनुष्य को हार भी झेलनी पड़ती है लेकिन चाणक्य ने कहा है कि किस परिस्थिति में ऐसे मनुष्य हार के भी बाजी जीत जाते हैं। प्रयास करने के बाद भी असफल हुए तो ऐसे में आप उस व्यक्ति से ज्यादा बेहतर होंगे जिसको बिना कोशिश के सफलता मिली हो। बेहतर, चाणक्य ने कहा जो व्यक्ति अपने लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए निरंतर कोशिशें करता है लेकिन फिर भी हार जाता है, ऐसे व्यक्ति जीतने वाले से सर्वश्रेष्ठ माने जाते हैं। जो बिना प्रयास के शॉर्टकट से जीत हासिल करता है। उससे कई बेहतर है, वो इंसान है जिसने अपनी मंजिल को पाने के लिए जी तोड़ मेहनत की और अंत तक हिम्मत न हारी। बिना कोशिश के कई लोगों कामयाबी प्राप्त कर लेते हैं लेकिन उन्हें बाद में इसका हरजाना भुगतना पड़ता है, क्योंकि ऐसी जीत खोखली होती है। वहीं जो कदम कदम पर हर चीज को बारीकी से खीखता है। लक्ष्य प्राप्ति के लिए हर पड़ाव को पार कर मुकाम तक पहुंचने का प्रयास करता है, उसकी ईमानदारी के साथ की गई मेहनत बहुत काम आती है। ऐसे व्यक्ति हर जगह वाह-वाही प्राप्त करते हैं। जो गिरकर भी हार नहीं मानते, लक्ष्य को हासिल करने के लिए पूरे तन-मन से कोशिश करते हैं। ऐसे व्यक्ति अगर असफल हो भी जाए तो हारी हुई बाजी जीत जाता है, क्योंकि मेहनत कभी व्यर्थ नहीं जाती। वर्तमान में नहीं तो भविष्य में उसे मेहनत का फल जरूर मिलेगा। क्रमशः महात्मा गांधी ने भी कहा है कुछ न करने से बेहतर है कुछ करना। सच्ची सफलता बिना संघर्ष के नहीं मिलती। मुकाम तक पहुंचने के लिए कई मुश्किलों को पार करना पड़ता है। एक आदमी अपने विचारों का उत्पाद है, वह क्या सोचता है, वह बन जाता है। महात्मा गांधी के जीवन से हमें यही सीख मिलती है कि यदि हमें बार-बार असफलता का सामना करना पड़े तब भी आशा नहीं छोड़नी चाहिए। हो सकता है कि इस असफता के बाद ही सफलता मिले। यथेष्ठ, स्वामी विवेकानंद कहते हैं कि हर मनुष्य के जीवन में लक्ष्य का होना बहुत जरूरी है। जीवन में एक ही लक्ष्य बनाओ और दिन-रात उसी लक्ष्य के बारे में सोचो। स्वप्न में भी तुम्हें वही लक्ष्य दिखाई देना चाहिए। फिर जुट जाओ, उस लक्ष्य की प्राप्ति के लिए। धुन सवार हो जानी चाहिए आपको। सफलता अवश्य आपके कदम चूमेगी। असल में जब आप कोई कर्म करते हैं तो जरूरी नहीं कि आपको सफलता मिल ही जाए, लेकिन आपको असफलताओं से घबराना नहीं चाहिए। अगर बार-बार भी असफलता हाथ आती है तो भी आपको निराश नहीं होना है। इस बारे में विवेकानंद कहते हैं, एक हजार बार प्रयास करने के बाद यदि आप हार कर गिर पड़े हैं तो एक बार फिर से उठें और प्रयास करें। हमें लक्ष्य की प्राप्ति तक स्वयं पर विश्वास और आस्था रखनी चाहिए और अपनी सोच को हमेशा सकारात्मक रखना चाहिए। अगर तुम निशाना लगा रहे हो तो तुम्हारा पूरा ध्यान सिर्फ अपने लक्ष्य पर होना चाहिए। अलबत्ता, किसी काम में असफल हो भी गए हो तो क्या हुआ ये अंत तो नहीं है ना, फिर से कोशिश करो क्योंकि कोशिश करने वालों की कभी हार नहीं होती। असफलता तो सफलता की एक शुरूआत है, इससे घबराना नहीं चाहिए बल्कि पूरे जोश के साथ फिर से प्रयास करना चाहिए। इसलिए असफलता सफलता से कहीं ज्यादा महत्व रखती है।

यूं ही नहीं मोदी कहलाता हूं मै, बिखरा हुआ है विपक्ष तो कांग्रेस है कमजोर

लेखक -मुस्ताअली बोहरा /ईएमएस

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी....सिर्फ नाम ही काफी है। लेकिन आसान नहीं है नरेन्द्र मोदी हो जाना। तमाम आरोपों-प्रत्यारोपों और विरोध के बावजूद लगातार दूसरी बार पीएम बने मोदी की लोकप्रियता भारत ही नहीं पूरी दुनिया में है। यही वजह है कि भारतीय जनता पार्टी को भी मोदी के अलावा किसी और नेता में इतना भरोसा नजर नहीं आ रहा है जो चुनाव जिता सके। गुजरात, हिमाचल प्रदेश के अलावा मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़, कर्नाटक, त्रिपुरा, राजस्थान में विधानसभा चुनाव होना है। भाजपा ने विधानसभा चुनाव के लिए तैयारियां तेज कर दी हैं। सूबे में सत्ता से लेकर संगठन तक को चुस्त दुरूस्त किया जा रहा है। सूत्रो की मानें तो इन राज्यों में भी मोदी के चेहरे पर चुनाव लड़ा जाएगा। अंदरखाने खबर है कि पार्टी को मौजूदा मुख्यमंत्रियों पर एतबार कम ही है कि वे अपने बूते चुनाव जिता पाएंगे। कहा ये भी जा रहा है कि मुख्यमंत्रियों और उनकी नीतियों को लेकर चुनाव में खामियाजा उठाना पड़ सकता है। शायद यही वजह है कि भाजपा ने विधानसभा चुनाव में भी मोदी को ही आगे रखकर वोट जुटाने की रणनीति बनाई है। हालांकि, विपक्षियों का तर्क है कि पार्टी को अपने ही मुख्यमंत्रियों पर एतबार नहीं है, यही वजह है कि विधानसभा चुनावों में सीएम के बजाए पीएम को उतारा जा रहा है। विपक्ष अपने इस दावे को पुख्ता करने के लिए मध्यप्रदेश सहित अन्य राज्यों के स्थानीय निकाय चुनाव परिणाम को आधार बना रहा है। मध्यप्रदेश में कांग्रेस ने जिस तरह से स्थानीय निकाय के चुनाव में प्रदर्शन किया उससे पार्टी की बांछें खिली हुई हैं।

भाजपा के आला नेता इस बात को मानते हैं कि जिन सूबों में पार्टी की सरकार है वहां सत्ता और संगठन के बीच तालमेल की कमी है। इसके अलावा वहां सत्ता के खिलाफ भी माहौल है। चूंकि, विस चुनाव में ज्यादा वक्त नहीं है लिहाजा पार्टी ऐसे राज्यों में सीएम बदलने के मानस में नहीं है। क्योंकि ऐसा करने पर भीतरघात की भी संभावना बलवती हो जाएगी। लिहाजा, पार्टी मोदी फामूर्ले पर ही टिके रहना चाहती है जो कि हिट भी है। जहां तक विपक्ष के आरोपों का सवाल है तो भाजपा का बड़ा खेमा ये मानता है कि मोदी के खिलाफ कोई भी आरोप नहीं टिक पाता फिर चाहे वह मंहगाई का हो, बेराजगारी का हो या कोई और। एंटी इंकम्बेंसी पर मोदी फैक्टर अब तक हावी ही रहा है और इसका असर देखने को भी मिलता है। भाजपाई अपने इस दावे के लिए यूपी चुनाव का उदाहरण देते हैं। वैसे भी, मोदी के खिलाफ विपक्ष के पास कोई बड़ा चेहरा नहीं है। विपक्ष में सबसे बड़ी पार्टी कांग्रेस अभी खुद की उलझने सुलझाने में लगी हुई हैं। राहुल गांधी फिलहाल, भारत जोड़ो यात्रा निकाल रहे हैं। इस यात्रा से कांग्रेस में जान फूंकने की कोशिश की जा रही है। बाकी के राजनैतिक दलों में कोई भी ऐसी पार्टी या नेता नहीं है जिसका जनाधार उन सभी राज्यों में हो जहां चुनाव होने वाले हैं।

बिहार के मुख्यमंत्री नीतिश कुमार विपक्ष को एकजुट करने की कोशिश कर रहे हैं। इधर, दिल्ली के सीएम अरविंद केजरीवाल भी अपनी पार्टी का दायरा बढाना चाहते हैं। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बेनर्जी भी विपक्ष को एक साथ लाने की कोशिश कर चुकी हैं। जहां तक विधानसभा चुनाव में भाजपा के पास मुददों का सवाल है तो राज्यस्तर की नीतियों और उपलब्धियों के अलावा केन्द्र सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं को भुनाने की कोशिश की जाएगी। जनता तक ये मैसेज पहुंचाया जाएगा कि केन्द्र में भाजपा की सरकार है और यदि प्रदेश में भी भाजपा की सरकार बनती है तो तेजी से विकास होगा। जिन राज्यों में भाजपा की सरकार है वहां पार्टी सीटें बढ़ाने पर जोर देगी और जिन राज्यों में पार्टी विपक्ष में है वहां मोदी मैजिक के साथ सत्ता हासिल करने की रणनीति बनाई जा रही है। हालांकि, विपक्ष के पास इन सूबों में होने वाले विधानसभा चुनाव के लिए मंहगाई और बेरोजगारी सहित अन्य कई मुददे हैं। जहां तक मोदी सरकार या फिर खुद प्रधानमंत्री मोदी को घेरने का सवाल है तो उनकी आर्थिक और औद्योगिक नीतियों की विफलता, कटटर हिन्दुवादी छबि, कॉरपोरेट घरानों को फायदा पहुंचाने जैसे कई मुददे हैं। लेकिन ये सारे मुददे मोदी और भाजपा को चुनाव में कितना घेर पाएंगें ये तो चुनाव परिणाम आने पर ही पता चलेगा। भले ही शीर्ष स्तर पर कांग्रेस में इस्तीफों का दौर चल रहा हो और कौन पार्टी अध्यक्ष बनेगा इसको लेकर माथापच्ची हो रही हो लेकिन मध्यप्रदेश में कांग्रेस उत्साहित है। कार्यकताओं का मानना है कि कमलनाथ की अगुआई में एक बार फिर कांग्रेस चमत्कार दिखा सकती है। इधर, मध्यप्रदेश में भाजपा ने आगामी विधानसभा चुनाव की तैयारियां शुरू कर दी है। संगठन को चुस्त किया जा रहा है। वहीं हाल में हुए स्थानीय निकाय चुनावों में आए परिणामों ने कांग्रेस को भी उत्साहित कर दिया है। पिछले विधानसभा चुनाव में भाजपा बहुमत से चूक गई थी तो कांग्रेस को गुटबाजी की वजह से सत्ता गंवानी पड़ गई थी। गौरतलब है कि मध्यप्रदेश में सन 2018 में हुए विधानसभा चुनाव में कांग्रेस को 114 सीटें मिली थी। भारतीय जनता पार्टी को 107 सीटें मिली थी। 4 सीटों पर निर्दलीय प्रत्याशी जीते थे, जबकि 2 सीटें बसपा और 1 सीट पर समाजवादी पार्टी को संतोष करना पड़ा था। चूंकि, कांग्रेस को ज्यादा सीटें मिली थीं लिहाजा पहले कांग्रेस ने सरकार बनाई थी। लेकिन कमलनाथ की अगुआई में बनी कांग्रेस की सरकार ज्यादा दिन टिक नहीं सकी और कांग्रेस नेता ज्योतिरादित्य सिंधिया अपने समर्थक विधायकों के साथ बगावत कर भाजपा में शामिल हो गए। इससे कांग्रेस की सरकार गिर गई और शिवराज सिंह चौहान की अगुआई में भाजपा की सरकार बनी। सूत्रों की मानें तो कांग्रेस ने ऐसी सीटों पर फोकस करना शुरू कर दिया है जहां वो दूसरे नंबर पर थी। इसके अलावा जिन सीटों पर मौजूदा भाजपा विधायकों के खिलाफ रोष है वहां भी कांग्रेस विशेष जोर देगी ताकि सीट हथियाई जा सके। दूसरी ओर भाजपा ने भी पराजित सीटों पर जीतने को लेकर रणनीति बनाई है। बताया जा रहा है कि बूथ मैनेजमेंट के जरिए इन हारी हुई सीटों को जीतने पर ध्यान दिया जा रहा है। पार्टी सूत्रों की मानें तो संगठन के जरिए फिर से सत्ता तक पहुंचने का प्लान बनाया गया है। राज्यसभा सांसद, केन्द्रीय मंत्रियों के साथ ही संगठन के पदाधिकारियों को भी जवाबदेही दी जा रही है। ये सुनिश्चित किया जा रहा है कि हर सीट पर लगातार दौरे होते रहे और कार्यकताओं का उत्साह बढ़ाया जा सके। भाजपाई सूत्रों का कहना है कि पार्टी का जोर मालवा-निमाड़, ग्वालियर-चंबल और बुंदेलखंड अंचल की सीटों पर ज्यादा है। पिछले विधानसभा चुनाव में भाजपा को इन अचंलों में खासा नुकसान हुआ था। ऐसे में पार्टी सबसे ज्यादा इन क्षेत्रों में फोकस कर रही है। पार्टी नेताओं का मानना है कि ज्योतिरादित्य सिंधिया के भाजपा में आने से पार्टी को आगामी विधानसभा चुनाव में खासा फायदा होगा। युवा मतदाताओं के अलावा इस बार आदिवासी वोटों पर भी भाजपा की नजर है। प्रदेश की आदिवासी बहुल सीटों पर लगातार कार्यक्रम, सम्मेलन और पदाधिकारियों के दौरों का खाका तैयार किया जा रहा है। कांग्रेस भारत जोड़ो यात्रा के जरिए पूरे देश में माहौल बनाने को कोशिश में है। पार्टी के तमाम बड़े पदाधिकारी इस यात्रा से जुड़ रहे हैं। कार्यकताओं में भी इस यात्रा को लेकर खासा उत्साह है। मध्य प्रदेश से जब ये यात्रा गुजरेगी तो इस दौरान खुद राहुल गांधी के साथ सूबे के बड़े नेता भी शामिल होंगे। राहुल मध्यप्रदेश में करीब चार सौ किलोमीटर का सफर इस यात्रा के तहत तय करेंगे। जिन जिलों या क्षेत्रों से होते हुए ये यात्रा गुजरेगी वहां इसके जोरदार स्वागत की तैयारियां की जा रही है। पार्टी के जिला और ब्लाक स्तर के पदाधिकारियों और कार्यकताओं को भी राहुल से मुखातिब होने का मौका मिल सकेगा। इसी तरह, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के भी मप्र में दौरे हो रहे हैं। वे अपने जन्मदिन में मप्र आ चुके हैं, यहां कूनों में उन्होंने चीतों को छोड़ा था। अगला कार्यक्रम उज्जैन का है। करीब 750 करोड़ रुपये की लागत वाला उज्जैन का महाकाल मंदिर प्रोजेक्ट का शुभारंभ पीएम मोदी के हस्ते होगा। बताया जा रहा है कि प्रदेश के हर संभाग में पीएम मोदी का एक बड़ा कार्यक्रम हो सकता है जिसके जरिए वे विविध प्रोजक्ट को जनता का समर्पित करेंगे। कुल मिलाकर, लोकसभा से पहले इन राज्यों में होने वाले विधानसभा चुनाव के नतीजे काफी हद तक तस्वीर साफ कर देंगे।

आज का कार्टून।

समन्वय और विश्वास बनाने की जरूरत

लेखक- सनत जैन /ईएमएस

पिछले 8 वर्षों में मुस्लिमों को केंद्र बिंदु में रखकर हिन्दू संगठनों एवं गोदी मीडिया ने उनके खिलाफ कई ऐसे कार्यक्रम चलाए, जिससे मुस्लिम भयभीत हुए, लेकिन उन्होंने प्रतिरोध नहीं किया। मुस्लिमों को अब लगने लगा है कि डरे रहने से वह सुरक्षित नहीं रहेंगे। पिछले कई वर्षों से भाजपा और संघ के अनुवांशिक संगठनों ने मुस्लिमों के खिलाफ जिस तरह से नफरत का वातावरण फैलाया। हर स्तर पर उन्हें डराने और धमकाने का काम किया गया। राम मंदिर मामले में सुप्रीम कोर्ट का फैसला मुस्लिमों ने स्वीकार कर लिया। इसे भारतीय जनता पार्टी और संघ परिवार ने इसे अपनी सबसे बड़ी जीत माना। उसके बाद से ही संघ के अनुवांशिक संगठन जिनमें विश्व हिंदू परिषद बजरंग दल और उनसे जुड़े हुए संगठन हैं। उन्होंने मथुरा और काशी का विवाद उग्र कर दिया। ताजमहल में भी हिंदू मंदिर की बात कहकर मुसलमानों में भय उत्पन्न किया गया। सुप्रीम कोर्ट के आदेश को हिन्दू संगठनों ने नजर अंदाज करना शुरू कर दिया। उसने आग में घी डालने का काम किया है। ज्ञानवापी मस्जिद को लेकर विवाद चल ही रहा था। इसी बीच 15 राज्यों में जिसमें दक्षिण भारत के 5 राज्यों में छापामार कार्यवाही कर सैकड़ों पदाधिकारियों को टेरर फंडिंग के आरोप में गिरफ्तार कर लिया। इसकी बड़ी तीव्र प्रतिक्रिया मुस्लिम समाज में हुई है। एक तरह से ईडी ने जिस तरह की कार्रवाई की। उससे लोगों को 1975 के आपातकाल की याद आ गई। पीपुल्स फ्रंट ऑफ इंडिया पिछले कई वर्षो से काम कर रहा है। पिछले कुछ वर्षों से इसे एक कट्टरपंथी मुस्लिम संगठन बताकर आतंकवाद फैलाने वाला संगठन एनआईए बता रहा है। ईडी इस संगठन को राडार पर लिए हुई थी। एक साथ डाले गए छापे और गिरफ्तारी ने मुस्लिमों को उग्र बना दिया है। पिछले वर्षों के भय से एक तरह से मुस्लिम बाहर निकल रहे हैं। वह अपने वर्चस्व एवं स-रक्षा की लड़ाई के लिए खुलकर मैदान में आ गए हैं। वर्तमान स्थिति को देखकर लगता है, कि एक बार हम फिर 1947-48 वाली स्थिति में पहुंच गए हैं। जब भारत का पार्टीशन हुआ था। उस-के बाद हिंदू और मुस्लिमों के बीच जो भय बना था। वही भय एक बार फिर मुसलमानों में देखने को मिल रहा है। आर्थिक मंदी, बेरोजगारी और महंगाई के चलते इस तरह के विवाद देश को कमजोर करेंगे। भूख और सुरक्षा दो ऐसे विषय हैं, जिसको लेकर आदमी जीने और मरने की स्थिति में आकर खड़ा हो जाता है। पिछले 8 वर्षों में मुसलमानों के बीच जो भय अंदर ही अंदर बना था। लेकिन वह शांत था। राम मंदिर बन जाने के बाद और कश्मीर में धारा 370 खत्म हो जाने के बाद, भाजपा और संघ परिवार उन्हें शांति से रहने देगा। यह मुस्लिमों को लग रहा था। मुसलमानों का भय उनके अस्तित्व से जुड़ गया था। केरल की हिंसक घटनाएं मुस्लिमों के विरोध की शुरूआत है। सरकार और हिंदू संगठनों ने मुसलमानों को दबाने और उन्हें दोयम दर्जे के नागरिकों की तरह रखने की कोशिश को बंद नहीं किया, तो कानून व्यवस्था की स्थिति खराब ही होगी। इसके साथ-साथ राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी इस-का असर देखने को मिलेगा। जब केंद्र में भाजपा की सरकार है। सारा नियंत्रण उनके हाथों में है। यदि उसके बाद भी पीएफआई आतंकी घटनाएं भारत में कर पा रही थी।

ध्वनि तरंगों से रोगें का उपचार

यह बात जान कर आप सभी को आश्चर्य होगा की ध्वनि तरंगें से भी रोगों के उपाच होते है। यह विश्व जीवों से भरा है। ध्वनि तरंगों की टकराहट से सुक्ष्म जीव मर जाते है, रात्री में सूर्य की पराबैगनी किरणां के अभाव में सूक्ष्म जीव उत्पन्न होते है जो ध्वनि तरगों की टकराहट से मर जाते है। ध्वनि तरगों से जीवों के मरने की खोज सर्वप्रथम बर्लिन विश्वविधालय में 1928 में हुई थी। शिकागों के डॉ.ब्राइन ने ध्वनि तरगों से जीवों के नष्ट होने की बात सिद्ध की है। आधुनिक वैज्ञानिकों ने सिद्ध किया कि शंख और घण्टा की ध्वनि लहरों से 27 घन फुट प्रति सेकिंड वायु शक्ति वेग से 1200फुट दूरी के बैक्टीरिया नष्ट हो जाते है। पूर्व में मंदिरों का निमार्ण गुम्वजाकार होता था दरवाजे छोटे होते थे अन्दर की ध्वनि बाहर नही निकलती थी, बाहर की ध्वनि अन्दर प्रवेश नही करती थी। मन्दिर में एक ईष्ट देव की प्रतिमा, एक दीपक, एक घण्टा, शंख होता था। यहां कोई भी रोगी श्रद्धा से जाता घण्टा या शंख ध्वनि कर दीप जलता बैठ कर श्रद्धा से प्रार्थना भक्ति करता, मौन ध्यान करता। रोंगों के ठीक होने की कामना करता वह ठीक हो जाता था। इसका बैज्ञानिक कारण घण्टा -शंख ध्वनि भक्ति प्रार्थना की ध्वनि तंरगें बाहर न जाकर गुम्वजाकार शिखर से टकराकर शरीर से टकराती जिससे शरीर के रोगाणु नष्ट हो जाते रोग ठीक हो जाते। आज भी पुराने मंदिरों में यह होता है। इसलिये सीमित मात्रा में बोलना ठीक है। ध्वनि ज्यादा मात्रा में प्रदूषण का रूप ले लेती है, जो शारीरिक एवं मानसिक दृष्टि से हानिकारक होती है। मौन रहने में ही सुख एवं सुख मय जीवन है।

प्रसंगतः अनूठी कर्मनिष्ठा

क्ली एथेंस मातृ-पितृहीन अमेरिकी युवक था। उसने एक धर्मग्रंथ से प्रेरणा लेकर संकल्प किया कि वह परिश्रम करके विद्याध्ययन करेगा, बिना कर्म किए मिले धन-संपत्ति का उपयोग कदापि नहीं करेगा और दुर्व्यसनों से दूर रहकर सदाचारी जीवन बिताएगा। एथेंस ने प्रारंभिक शिक्षा पूरी करने के बाद सर्वश्रेष्ठ विश्वविद्यालय में दाखिला लिया। कुछ संपन्न परिवारों के छात्र उसकी अनूठी प्रतिभा देखकर चिढ़ गए। उन्होंने षड्यंत्र रचकर न्यायाधीश से शिकायत की कि यह अनाथ लड़का अपराध करके धन अर्जित करता है, अन्यथा रोटी और पढ़ाई का खर्च उसे कहाँ से मिलता है? न्यायाधीश ने उससे पूछा, 'अनाथ होने के बावजूद तुम विश्वविद्यालय की फीस, पुस्तकों व रोटी कपड़े की व्यवस्था कैसे करते हो?' एथेंस ने विनम्रता से कहा 'सर, दुर्व्यसनों से मुक्त होने के कारण मैं बहुत कम खर्च में रोटी-पानी का जुगाड़ करता हूँ। पढ़ने की व्यवस्था के लिए मैं एक बाग में कुछ घंटे माली का कार्य करता हूँ। उससे मिलने वाले धन से पढ़ाई का खर्च चलाता हूँ।' न्यायाधीश ने जाँच कराई, तो पता चला कि यह होनहार छात्र सुबह और रात को घोर परिश्रम कर धन अर्जित करता है। न्यायाधीश ने एथेंस की लगन देखकर दया करके कुछ मुद्राएँ देने का प्रयास किया। उसने हाथ जोड़कर कहा, 'यदि मैं ये मुद्राएँ स्वीकार कर लूँगा, तो बिना परिश्रम कुछ न लेने के संकल्प से डिगने के पाप का भागी बनूँगा।' आगे चलकर एथेंस की गणना अमेरिका के अग्रणी बुद्धिजीवियों में हुई।

नारी शिक्षा के प्रबल समर्थक थे ईश्वर चंद्र विद्यासागर

लेखक- योगेश कुमार गोयल (ईएमएस)

एक गरीब परिवार में जन्मे ईश्वर चंद्र विद्यासागर ने स्ट्रीट लाइट की रोशनी में कैसे अपनी पढ़ाई की और कैसे बंगाल पुनर्जारण के प्रमुख स्तंभ बन गए, यह लगभग हर किसी ने पाठ्य पुस्तकों में पढ़ा होगा लेकिन फिर भी अधिकांश व्यक्ति उनके बारे में ज्यादा नहीं जानते। 26 सितम्बर 1820 को पश्चिम बंगाल के मेदिनीपुर जिले में धार्मिक प्रवृत्ति के एक निर्धन ब्राह्मण परिवार में जन्मे ईश्वर चंद्र विद्यासागर का बचपन का नाम ईश्वर चंद्र बंदोपाध्याय था। महान समाज सुधारक, दार्शनिक, शिक्षाविद्, तथा स्वतंत्रता सेनानी ईश्वर चंद्र गांव के स्कूल से प्रारंभिक शिक्षा के पश्चात अपने पिता के साथ कोलकाता आ गए थे। वे बहुत मेधावी छात्र थे, जिसके चलते उन्हें कोलकाता में कई संस्थानों से छात्रवृत्तियां मिली। कॉलेज में पढ़ाई के दौरान ही वे संस्कृत भाषा और दर्शन के विद्वान माने जाने लगे, इसीलिए उन्हें विद्यार्थी जीवन में ही संस्कृत कॉलेज ने विद्यासागर (विद्या का सागर) की उपाधि प्रदान की। इस तरह वे ईश्वर चंद्र बंदोपाध्याय से ईश्वर चंद्र विद्यासागर बन गए। 1839 में कानून की पढ़ाई पूरी करने के बाद उन्होंने दो वर्ष बाद फोर्ट विलियम कॉलेज में संस्कृत विभाग के प्रमुख के तौर पर कार्यभार संभाला। पांच वर्षों तक यहां अपनी सेवाएं देने के पश्चात उन्होंने संस्कृत कॉलेज में सहायक सचिव के तौर पर जिम्मेदारी संभाली और शिक्षा पद्धति में सुधार लाने के लिए प्रयास शुरू कर दिए। कुछ मतभेदों के कारण उन्हें यह कॉलेज छोड़ने पर विवश होना पड़ा। 1849 में उन्होंने साहित्य के प्रोफेसर के रूप में इसी कॉलेज में पुनः वापसी की और कुछ ही समय बाद इसी कॉलेज के प्रिंसिपल बनने पर उन्होंने कॉलेज के दरवाजे सभी जातियों के बच्चों के लिए खोल दिए तथा संस्कृत भाषा के प्रचार-प्रसार के लिए महत्वपूर्ण प्रयास किए। उनका मानना था कि अंग्रेजी और संस्कृत भाषा के ज्ञान का समन्वय करके ही भारतीय तथा पाश्चात्य परम्पराओं का श्रेष्ठ ज्ञान हासिल किया जा सकता है। ईश्वर चंद्र नारी शिक्षा के प्रबल समर्थक थे। उनके अथक प्रयासों से ही कोलकाता सहित पश्चिम बंगाल में कई स्थानों पर बालिका विद्यालयों की स्थापना हुई। स्थानीय बांग्ला भाषा तथा लड़कियों की शिक्षा के लिए उन्होंने स्कूलों की एक श्रृंखला के साथ कलकत्ता में मेट्रोपोलिटन कॉलेज की स्थापना भी की। स्कूलों के खर्च के लिए वे विशेष रूप से स्कूली बच्चों के लिए बंगाली में लिखी गई किताबों की बिक्री से फंड जुटाते थे। कलकत्ता विश्वविद्यालय की स्थापना के लिए वे एक बार अयोध्या के नवाब के पास गए, जो अपनी निर्दयता और कंजूसियत के लिए विख्यात था। जब उन्होंने विश्वविद्यालय के लिए नवाब से दान देने का आग्रह किया तो नवाब ने उनके थैले में अपना जूता डाल दिया। शांतचित्त विद्यासागर चुपचाप वहां से चले आए और अगले ही दिन नवाब के महल के सामने उसी जूते की नीलामी का कार्यक्रम आयोजित कर डाला। जूते की एक हजार रुपये में नीलामी हो गई। यह जानकर नवाब खुश हुआ और उसने विश्वविद्यालय के लिए एक हजार रुपये की राशि दान में दे दी। बंगाली की कई वर्णमालाओं में संशोधन कर उसे सरल तथा आधुनिक बनाने में अमिट योगदान के कारण उन्हें आधुनिक बंगाली भाषा का जनक भी माना जाता है। 1848 में उन्होंने बांग्ला भाषा की अपनी प्रथम गद्य रचना वैताल पंचविंशति का प्रकाशन किया। संस्करण व्याकरण के नियमों पर भी किताब लिखी। वर्णमाला के अलावा महाकवि कालिदास के शकुंतला नाटक सहित कई पुस्तकों का संस्कृत से बंगाली में अनुवाद भी किया। बांग्ला लिपि की वर्णमाला को सरल व तर्कसम्मत बनाने के अलावा उन्होंने बांग्ला पढ़ाने के लिए सैंकड़ों विद्यालयों और रात्रि पाठशालाओं की स्थापना की। समाज सुधार कार्यों की बदौलत ही उन्हें जीवन पर्यन्त गरीबों और दलितों का संरक्षक माना जाता रहा। इन्हीं कार्यों के चलते समाज सुधारक के रूप में उन्हें राजा राममोहन राय का उत्तराधिकारी भी माना जाता है। अपने क्रियाकलापों से उन्होंने लोगों को सदैव स्वावलंबन और आत्मनिर्भरता की सीख दी। एक बार उन्हें इंग्लैंड में एक सभा की अध्यक्षता के लिए आमंत्रित किया गया। नियत समय पर सभास्थल पहुंचने पर उन्होंने देखा कि लोग सभा भवन के बाहर घूम रहे हैं। पूछने पर पता चला कि अभी तक सफाईकर्मी के नहीं आने के कारण सभास्थल की सफाई नहीं हो सकी है। यह जानकर विद्यासागर झाड़ू उठाकर स्वयं सफाई में जुट गए। उन्हें ऐसा करते देख वहां उपस्थित लोगों को शर्मिन्दगी का अहसास हुआ और सभी सफाई कार्य में जुट गए। इस तरह देखते ही देखते चंद मिनटों में ही सभास्थल साफ हो गया। वास्तव में वे एक ऐसी महान शख्सियत थे, जिन्होंने न केवल नारी शिक्षा के लिए व्यापक जनान्दोलन खड़ा किया बल्कि उन्हीं के अनथक प्रयासों तथा दृढ़संकल्प के चलते ही अंग्रेज 26 जुलाई 1856 को विधवा पुनर्विवाह कानून पारित करने को विवश हुए थे और विधवाओं को समाज में नए सिरे से जीवन की शुरूआत कर ससम्मान जीने का अधिकार मिला। वे कथनी के बजाय करनी में विश्वास करते थे, जिसका जीता जागता प्रमाण उन्होंने अपने बेटे इकलौते बेटे नारायण की शादी एक विधवा से कराकर सारे समाज को दिया था।

DELHI CRIME 26 sep 2022:Layout 1 9/25/2022 9:12 AM Page 3

हरियाणा में 18 हजार स्कूल शिक्षकों की भर्ती की जाएगी जल्द : मुख्यमंत्री मनोहर लाल

-11 हजार रेगुलर शिक्षक और 7 हजार शिक्षकों को हरियाणा कौशल रोजगार निगम के माध्यम से किया जाएगी भर्ती
-मुख्यमंत्री बोले, शिक्षा दान-महादान, हम स्वयं भी शिक्षा लें और जो कमजोर है, उसे भी पढ़ाए

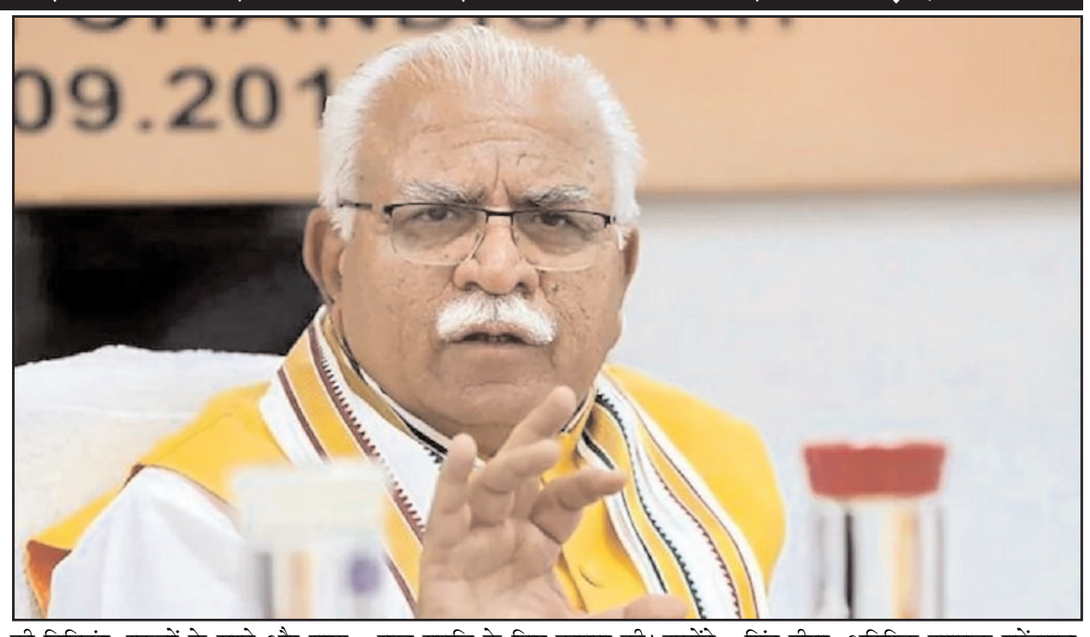

रोहतक, (हि.स.)। मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने कहा कि प्रदेश के स्कूलों में जल्द 18 हजार शिक्षकों की भर्ती की जाएगी, इसमें 11 हजार रेगुलर शिक्षक और 7 हजार शिक्षकों को हरियाणा कौशल रोजगार निगम के माध्यम से भर्ती किया जाएगा। उन्होंने कहा कि हरियाणा सरकार शिक्षा के नाते विद्यार्थियों की पूरी चिंता करती है। मुख्यमंत्री रविवार को महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय के राधाकृष्णन सभागार में आयोजित एक कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने बोर्ड की दसवीं व बाहरवीं कक्षाओं के टॉपर तथा सभी जिलों के प्रथम, द्वितीय व तृतीय स्थान पर रहने वाले लगभग 300 मेधावी विद्यार्थियों को सम्मानित किया। मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने कहा कि स्कूली शिक्षा अच्छी हो, इसके लिए हरियाणा सरकार लगातार कार्य कर रही है। 10वीं, 11वीं और 12वीं के छात्रों को 5 लाख टैबलेट दिए जा चुके हैं, वहीं ढाई लाख टैबलेट जल्द ही विद्यार्थियों को दिए जाएंगे। ऐसा करने वाला हरियाणा देश का पहला राज्य है। अब दूसरे राज्य ही नहीं, बल्कि विदेशों से भी लोग सरकार के इस कदम से प्रभावित हो रहे हैं और वह भी इस तरह की योजनाएं बना रहे हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि हरियाणा सरकार एक अभियान की तरह स्कूलों में स्मार्ट क्लासरूम, ड्यूअल डेस्क, स्कूलों की बिल्डिंग, स्कूलों के रास्ते और साफ शौचालय की व्यवस्था करने के लिए कार्य कर रही है। मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने कहा कि 5 से 18 वर्ष तक की आयु के प्रत्येक बच्चे को स्कूली शिक्षा मिले। इस आयु वर्ग में कोई भी ड्रॉप आउट न हो।

गुरुद्वारा बंगला साहिब में मुख्यमंत्री ने टेका माथा - मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने गुरुद्वारा बंगला साहिब में माथा टेका और प्रदेश की सुख समृद्धि के लिए कामना की। उन्होंने संगत के बीच बैठकर शब्द कीर्तन सुने और गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी से बातचीत भी की। गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी ने मुख्यमंत्री मनोहर लाल को सिरोपा और कृपाण भेंट की। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश सरकार सिखों के हितों के लिए लगातार कार्य कर रही है। इस अवसर पर पूर्व मंत्री मनीष ग्रोवर, उपायुक्त यशपाल, पुलिस अधीक्षक उदय सिंह मीणा, अतिरिक्त उपायुक्त महेंद्रपाल, राजकुमार कपूर, विजय सिंह मलिक, एस-डीएम सुभाष चन्द, सीनियर डिप्टी मेयर राजकमल सहगल, हेड ग्रंथी महेंद्र रूबी चावला, अजीत सिंह, परमजीत सिंह, दिलबाग सिंह, रणजीत सिंह, अमरीक सिंह, प्रिंस टक्कर व महेंद्र सिंह धींगड़ा सहित सिख प्रतिनिधिमंडल व सिख संगत मौजूद रही।

गुरू सुदर्शन को आरएसएस के सरकार्यवाहक दत्तात्रेय होसबोले ने दी श्रद्धांजलि

रोहतक, (हि.स.)। राष्ट्रीय स्वयं सेवक के सरकार्यवाहक दत्तात्रेय होसबोले, उड़ीसा के राज्यपाल प्रो. गणेशी लाल तथा प्रदेश के मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने पुरानी आईटीआई मैदान में आयोजित गुरु सुदर्शन जन्म शताब्दी वर्ष महोत्सव में गुरु सुदर्शन जी महाराज को श्रद्धांजलि दी तथा अपने संबोधन में गुरु सुदर्शन जी महाराज द्वारा दिखाये गए सत्य, अंहिसा एवं परोपकार के मार्ग पर चलने का आह्वान किया। राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के सरकार्यवाहक दत्तात्रेय होसबोल ने उपस्थितगण का आह्वान किया कि वे गुरु सुदर्शन जी महाराज के दिखाये गए रास्ते का अनुसरण करते हुए मानव भलाई के लिए कार्य करने का संकल्प लें, यही गुरुजी को सच्ची श्रद्धांजलि होगी। उन्होंने कहा कि गुरु के संदेश को जीवन में आत्मसात करें। अनेक मार्गों पर चलकर साधना की जा सकती है। भारत धर्म, कर्म व देव भूमि है। यहां पर सभी धर्मों के संतों ने मानव कल्याण का संदेश दिया है। उन्होंने कहा कि गुरु सुदर्शन जी महाराज ने सांझी संस्कृति पर चलते हुए मानवता का कल्याण किया है। सरकार्यवाहक दत्तात्रेय होसबोले ने कहा कि हमें धर्म मार्ग पर चलना चाहिए। उन्होंने पंथ की तुलना यातायात नियमों से करते हुए कहा कि सभी धर्मों का संदेश धर्म के मार्ग का अनुसरण है। हमें सत्य पर चलते हुए जीवन को शुद्ध रखना चाहिए।

दूसरे की स्त्री को अपनी माँ के समान तथा दूसरे के धन को मिट्टी के बराबर मानना चाहिए। उन्होंने रामकृष्ण परमहंस तथा स्वामी विवेकानंद के जीवन से जुड़ी घटनाओं का भी उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि गुरु सुदर्शन जी महाराज का श्रेष्ठ परिवार था, जिसमें तीन संत हुए। गुरु सुदर्शन जी महाराज के अलावा उनके दादा जी एवं उनके चचेरे भाई ने परमार्थ के लिए कार्य किया।

संत-महात्मा तप व मौन के साथ करते हैं त्यागः प्रो. गणेशी लाल - उड़ीसा के राज्यपाल प्रो. गणेशी लाल ने कहा कि व्यक्ति को स्वार्थ से ऊपर उठकर मानव कल्याण के बारे में सोचना चाहिए। सच्चे मानव में एकात्म व सह-अस्तित्व होता है। उन्होंने कहा कि भगवान का मन भी संगीत से खुश होता है। उन्होंने महाभारत युद्ध में भगवान श्रीकृष्ण द्वारा अर्जुन को दिए गीता के उपदेश का भी उल्लेख किया। संत महात्मा तप व मौन के साथ त्याग करते है, जिसका कहीं भी स्वयं उल्लेख नहीं करते। गुरु सुदर्शन जी महाराज भी अपनी स्मृति में कुछ भी नहीं चाहते थे।

सरकार द्वारा गुरु सुदर्शन जी महाराज की याद में होगा कार्यक्रमः मुख्यमंत्री - मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने कहा कि गुरु सुदर्शन जी महाराज की याद में उनके जन्म शताब्दी वर्ष में सरकार द्वारा एक कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। कार्यक्रम में जन समर्थन द्वारा उठाई गई मांग को ध्यान में रखते हुए मुख्यमंत्री ने रोहतक में माता दरवाजा चौक से बाबरा चौक तक के मार्ग का नाम गुरु सुदर्शन जी महाराज के नाम पर रखे जाने की भी घोषणा की।

स्कूल बंद कर शिक्षा व्यवस्था को निजी हाथों में सौंपना चाहती है सरकारः पूर्व सीएम हुड्डा

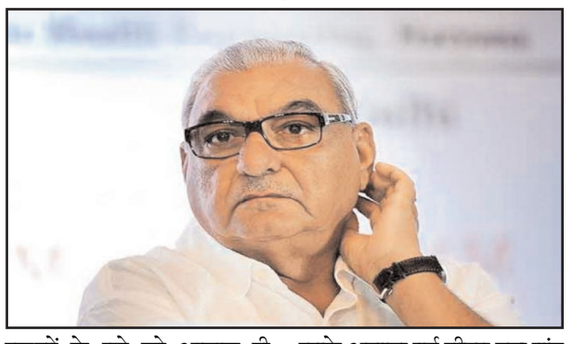

रोहतक, (हि.स.)। पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने कहा कि सरकारी स्कूलों को बंद करके बीजेपी-जेजेपी प्रदेश की शिक्षा व्यवस्था को निजी हाथों में सौंपना चाहती है। पूर्व सीएम ने कहा कि स्कूल बंद करना बच्चों के साथ अन्याय है। इसी तरह के फैसले लेते हुए सरकार अब तक पांच हजार स्कूलों को मर्ज करने के नाम पर बंद कर चुकी है। रविवार को पूर्व सीएम भूपेंद्र सिंह हुड्डा गांव किसैरेंटी पहुंचे और स्कूल बंद करने के विरोध में चल रहे ग्रामीणों के धरने का समर्थन किया। पूर्व सीएम ने कहा कि गांव का मिडिल स्कूल बंद होने के बाद बच्चों को पांच किलोमीटर दूर दूसरे गांव में पढ़ने के लिए जाना पड़ेगा। हुड्डा ने कहा कि यह बच्चों के साथ अन्याय है। उन्होंने सरकार से फैसला वापस लेने की मांग करते हुए हुड्डा ने कहा कि लगातार कांग्रेस इस मुद्दे को उठा रही है। यूथ कांग्रेस की तरफ से बाकायदा स्कूल बचाओ, शिक्षा बचाओ अभियान चलाया जा रहा है। इतना ही नहीं आने वाले विधानसभा सत्र में एक बार फिर पुरजोर तरीके से स्कूलों के मुद्दे को आवाज दी जाएगी, क्योंकि शिक्षा और स्वास्थ्य किसी भी प्रदेश की उन्नति के दो महत्वपूर्ण स्तंभ होते हैं। कांग्रेस सरकार के दौरान उन्होंने इन क्षेत्रों में कई महत्वपूर्ण काम किए। कांग्रेस कार्यकाल के दौरान रिकॉर्ड 2332 नए स्कूल खोले और अपग्रेड किए गए। सभी जेबीटी पास युवाओं को नौकरी दी गई, जबकि मौजूदा सरकार ने पूरे कार्यकाल में एक भी जेबीटी भर्ती नहीं निकाली। खुद के विज्ञापन पर 8 साल में आज तक इस सरकार ने टीचर्स की कोई भर्ती नहीं की, लेकिन भविष्य में कांग्रेस सरकार बनने पर एक बार फिर टीचर्स के खाली पदों को भरने और स्कूलों को खोलने का काम किया जाएगा। इसके अलावा पूर्व सीएम हुड्डा गांव अटायल आईएमटी हादसे में मारे गए सफाई कर्मियों के घर सांत्वना देने पहुंचे। पूर्व मुख्यमंत्री ने समचाना गांव में भगत सिंह विचार समिति द्वारा आयोजित सांस्कृतिक एवं सम्मान समारोह में बतौर मुख्यअतिथि शिरकत की। यहां उन्होंने गांव के विद्यार्थियों और खिलाड़ियों को सम्मानित किया। इस दौरान पूर्व सीएम ने बताया कि चंडीगढ़ एयरपोर्ट का नाम शहीद भगत सिंह के नाम पर रखने का प्रस्ताव सबसे पहले उन्होंने ही रखा था। उस वक्त सरकार इसका नाम सिर्फ मोहाली एयरपोर्ट रखना चाहती थी, जबकि इसमें हरियाणा का भी शेयर था।बतौर मुख्यमंत्री उन्होंने इसपर आपत्ति जताई थी।

शिक्षक पर लगा देशद्रोह का केस वापस ले सरकार, नहीं तो करेंगे विधानसभा का घेरावः सुरजेवाला

- कहा : क्या अब दो उद्योगपतियों की लूट का जिक्र करना भी देशद्रोह हो गया है

कैथल। भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के महासचिव एवं राज्यसभा सांसद रणदीप सिंह सुरजेवाला ने हरियाणा की खट्टर व दुष्यंत सरकार को तानाशाह करार देते हुए शिक्षक सुरेश द्रविड़ के खिलाफ देशद्रोह के मामले को तत्काल प्रभाव से वापिस लेने की मांग की। रणदीप सुरजेवाला ने प्रदेश सरकार को चेतावनी दी यदि सुप्रीम कोर्ट के आदेश की धज्जियां उड़ाते हुए दर्ज किए गए गैर कानूनी केस को वापिस नहीं लिया गया तो वो शिक्षाक प्रतिनिधिमंडल को साथ लेकर विधानसभा का घेराव करेंगे। रणदीप सुरजेवाला ने कहा सरकारी स्कूलों व शिक्षकों के अधिकारों व हित को लेकर जब अध्यापक संघ या शिक्षक सरकार का विरोध करते हैं तो उनकी आवाज को खट्टर सरकार द्वारा दबाया व कुचला जा रहा है। सत्ता के नशे में मुख्यमंत्री खट्टर जी व उपमुख्यमंत्री दुष्यंत चौटाला जी इतने अंधे व बेरहम हो चुके हैं कि उन्हें अब सुप्रीम कोर्ट के आदेशों की भी कोई परवाह नहीं है। हरियाणा में राजकीय प्राथमिक शिक्षक संघ की कैथल इकाई के नेता और वरिष्ठ शिक्षक सुरेश द्रविड़ पर राजद्रोह का मामला दर्ज करना दशार्ता है कि खट्टर सरकार अब आलोचना नहीं सुन सकती और अब जनहितकारी नीतियों का दमन करना चाहती है। सुरजेवाला ने कहा कि अपने ढंग का यह अनोखा मामला है। सुरेश द्रविड़ हरियाणा में एक शिक्षक के अलावा दलित-उत्पीड़ित समाज की सेवा में लगे रहने वाले एक कार्यकर्ता के रूप में विख्यात भी है। पता नहीं, हरियाणा की निरंकुश भाजपा-जजपा सरकार और पुलिस को याद भी है कि या नहीं, अपने देश की सुप्रीम कोर्ट ने की इस धारा के तहत नागरिकों के खिलाफ और मामले दर्ज करने से केंद्र और राज्य सरकारों को रोका था। कोर्ट ने 11 मई के अपने अंतरिम आदेश के जरिये कहा कि सरकारें आगे से इस धारा के तहत मामले दर्ज करने से परहेज करें। तत्कालीन मुख्य न्यायाधीश एन. वी. रमना, जस्टिस सूर्यकांत और जस्टिस हिमा कोहली की पीठ ने यह भी कहा कि जो लोग राजद्रोह के तहत जेलो में बंद हैं, वे अपनी जमानत के लिए अदालत का दरवाजा खटखटायें। खट्टर सरकार को पता होना चाहिए कि सुरेश द्रविड़ हरियाणा में शिक्षक संघ के पदाधिकारी होने के अलावा दलित और उत्पीड़ित तबकों के लिए आवाज उठाने वाले एक बेहद सक्रिय कार्यकर्ता हैं। वह किसी राजनीतिक पार्टी से सम्बद्ध नहीं रखते हैं। बामसेफ के मंच से वह समाज के बीच वर्षों से काम करते आ रहे हैं।

28 सितंबर के बाद शहीद भगत सिंह के नाम से जाना जाएगा चंडीगढ़ एयरपोर्टः दुष्यंत चौटाला

कैथल, (हि.स.)। उपमुख्यमंत्री दुष्यंत चौटाला ने कहा कि चंडीगढ़ एयरपोर्ट को 28 सितंबर के बाद शहीद भगत सिंह के नाम से जाना जाएगा। यह उनके लिए बड़े ही गर्व की बात है। इस कार्य के लिए वे और पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान देश के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से मिले थे। रविवार को मन की बात कार्यक्रम में प्रधानमंत्री ने यह उपहार उन्हें चौधरी देवी लाल की जयंती पर दिया है। यह बात उन्होंने यहां पत्रकार वार्ता में कही। उनके साथ जजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष डा. अजय सिंह चौटाला भी थे। दुष्यंत चौटाला और डा. अजय चौटाला ने पार्टी के अन्य विधायकों के साथ मिलकर पहले सेक्टर-20 में सवा 11 फीट की ताऊ देवीलाल की प्रतिमा का अनावरण किया। उसके बाद आरकेएम पैलेस में कार्यकताओं की मीटिंग ली। दुष्यंत ने कहा कि कैथल के इस पार्क का नाम ताऊ देवीलाल के नाम से था, लेकिन मूर्ति की कमी थी। इसकी सबसे ज्यादा खुशी डा. अजय सिंह चौटाला को हो रही है। उनका सपना है कि प्रदेश के सभी जिलों में चौधरी देवीलाल की प्रतिमा हो ताकि वहां के लोग यह जान सकें कि देश की उन्नति में देवीलाल का कितना योगदान रहा है। इस मौके पर प्रदेशाध्यक्ष निशान सिंह, कैबिनेट मंत्री देवेंद्र बबली, विधायक ईश्वर सिंह, विधायक अमरजीत ढांडा, विधायक रामकरण काला, नवनियुक्त चेयरमैन राजेंद्र लितानी, जिलाध्यक्ष धूप सिंह माजरा मौजूद थे।

सत्ता में आये तो बुजुर्गो को दस, बेरोजगारों को 21 हजार की देंगे पेंशन : चौटाला

फतेहाबाद, (हि.स.)। रविवार को स्व. ताऊ देवी लाल के जन्मोत्सव पर फतेहाबाद में आयोजित सम्मान दिवस रैली में इनेलो सुप्रीमो चौधरी ओमप्रकाश चौटाला ने कहा कि हमारा किसी से द्वेष, विरोध और व्यक्तिगत या राजनैतिक स्वार्थ नहीं है, हम तो जननायक के स्वप्न को साकार करने के पक्षधर हैं। प्रजातांत्रिक प्रणाली में जनता के समर्थन से सरकारें बनती है और सरकार का ये दायित्व बनता है कि वो लोगों की मूलभूत जरूरियात पूरी करे। जनता को रोजी-रोटी, रहने के लिए घर, अच्छी शिक्षा और स्वास्थ्य सुविधाएं दे। अगर जो सरकार ऐसा न करे उसे जनता बदल देती है। उन्होंने कहा कि इनेलो की सरकार बनने पर मैं इस स्थिति को ही बदल दूंगा कि सरकार आपके द्वार आया करेगी। इनेलो सरकार के दौरान मैं सरकार आपके द्वार गांव-गांव जाया करता था और मौके पर ही समस्याओं का समाधान किया जाता था। उन्होंने कहा कि आज नया निर्णय ले लो कि इस कुशासन का अंत किया जाए। इनेलो सुप्रीमो ने कहा कि निश्चित रूप से आपकी सरकार बनेगी और सरकार बनने पर काटी गई पेंशन को ब्याज सहित दिया जाएगा। उन्होंने घोषणा करते हुए कहा कि इनेलो सरकार बनने पर बुढ़ापा सम्मान पेंशन 10 हजार, महिलाओं को प्रति माह एक हजार, युवाओं को बेरोजगारी भत्ता 21 हजार रुपए प्रति माह दिए जाएंगे। सालभर के अंदर ही एसवाईएल नहर का पानी हरियाणा की प्यासी धरती को दिया जाएगा। गरीब लोगों को अनेक सुविधाएं प्रदान करेंगे। कृषि कानूनों खिलाफ आंदोलन में शहीद हुए किसानों का जलियांवाला बाग की तर्ज पर स्मारक बनाया जाएगा। ई-नेम प्रणाली को समाप्त किया जाएगा और आढ़तियों को कमीशन तीन प्रतिशत किया जाएगा। किसानों की सभी फसलें सिर्फ मंडियों में ही खरीदी और बेची जाएंगी। किसानों की फसल एमएसपी पर खरीदी जाए, इसके लिए केंद्र सरकार को मजबूर किया जाएगा। इनेलो की सरकार बनने पर कमेरों का राज बनेगा और लुटेरे सलाखों के पीछे भेजे जाएंगे। अभय सिंह चौटाला ने रैली में पहुंचे सभी नेताओं का रैली में पहुंचने पर अभिनंदन करते हुए आभार प्रकट किया। उन्होंने कहा कि पूरे देश के विपक्षी दल आज यहां एकजुट हुए हैं और आने वाले समय में भाजपा को सत्ता से बाहर का रास्ता दिखाएंगे। उन्होंने रैली को सफल बनाने के लिए पार्टी के पदाधिकारी, कार्यकर्ता, रैली में आई महिलाओं और रैली में उपस्थित लाखों लोगों का आभार व्यक्त किया।

गौरक्षकों ने सेंकड़ों बेसहारा गायों को अस्थायी बाड़े में छोड़कर असमय मौत से बचाया

भिवानी, (हि.स.)। एक तरफ जहां गौरक्षक घायल गाय व अन्य जानवरों का ईलाज करने से मना करने वाले पशु चिकित्सकों को सस्पेंड करने की मांग को लेकर धरने पर बैठे है, वहीं दूसरी तरफ एक जागरूक नागरिक होने के नाते अमावस्या के दिन अत्याधिक गौग्रास के चलते असमय होने से गाय को बचाने के लिए अस्थायी बाड़ों का निर्माण कर उनमें सेंकड़ों गांयों को बांधा। इस दौरान नागरिकों को गायों को अत्याधिक मात्रा में गौग्रास ना देने के लिए भी काफी मशक्कत की गई। गौरक्षा दल के प्रधान संजय परमार के नेतृत्व में जारी गौसेवकों का धरना रविवार को 12वें दिन भी जारी रहा। इस दौरान एक तरफ जहां गौसेवकों ने सरकार व विभाग के खिलाफ जमकर नारेबाजी करते हुए आरोपी पशु चिकित्सक डॉ. प्रवीण, डॉ. सुभाष एवं डॉ. दिनेश एवं विभाग के उपनिदेशक डॉ. सुखदेव राठी को सस्पैंड करने की मांग की। इस मौके पर गौरक्षा दल के प्रधान संजय परमार ने आरोप लगाया कि शहर या किसी ग्रामीण क्षेत्र में कोई गाय घायल हो जाए, बीमार हो जाए तो पशु चिकित्सक बेसहारा व पीड़ित गाय व बेजुबान जानवरों का उपचार करना तो दूर, सूचना देने के बावजूद भी फोन तक नहीं उठाते, जिसके कारण घायल पशु दम तोड़ते है। उन्होंने आरोप लगाया कि हरियाणा सरकार गाय के नाम पर राजनीति कर वोट ले लेती है, पर गाय के पालन पोषण व उपचार के लिए कुछ नहीं करती। परमार ने आरोप लगाया कि पशु चिकित्सक पूरी तरह से अपनी मनमानी पर उतर आए है तथा सुप्रीम कोर्ट के आदेशों की अवहेलना करने से भी पीछे नहीं हट रहे, जिसके विरोध में वे धरने पर बैठे है। उन्होंने कहा कि जब गौरक्षक पशु चिकित्सकों की मनमानी का विरोध जताते है तो गौसेवकों पर ही पशुओं को बंधक बनाने के आरोप लगाए जाते है। संजय परमार ने चेतावनी देते हुए कहा कि यदि आरोपी पशु चिकित्सकों के खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं हुई तो उनका संघर्ष जारी रहेगा।

दिल्ली क्राइम प्रेस की टीम ने फतेहगंज पूर्वी के प्रभारी निरीक्षक को किया सम्मानित

राकेश कोली बरेली जिला के अंतर्गत थाना फतेहगंज पूर्वी के प्रभारी निरीक्षक धर्मेंद्र कुमार के अच्छे कार्यों के लिए दिल्ली क्राइम प्रेस की टीम ने फूल माला पहनाकर व दिल्ली क्राइम प्रेस की डायरी देकर सम्मानित किया हालांकि प्रभारी निरीक्षक धर्मेंदर कुमार ने जब से थाना फतेहगंज पूर्वी की कमान संभाली है तब से क्षेत्र में अमन और शांति का वातावरण बना हुआ है। क्षेत्रवासियों का कहना है कि इंस्पेक्टर धर्मेंद्र कुमार के आने से सभी क्षेत्रवासी शांतिपूर्वक चैन की जिंदगी व्यतीत कर रहे हैं और अपराधियों के अंदर एक खौफ बना हुआ है। कई घटनाओं का खुलासा करके अपराधियों को कानूनी प्रक्रिया के तहत जेल भेजा गया। प्रभारी निरीक्षक धर्मेंद्र कुमार का जनता के प्रति स्नेह और कुशल कार्य को देखते हुए दिल्ली क्राइम प्रेस की टीम ने फतेहगंज पूर्वी प्रभारी निरीक्षक को फूल मालाओं से सम्मानित किया। मौके पर बरेली से राकेश कोली राजेश कुमार और शहजानपुर से हितेश सिंह अंशु सिंह बहोरन लाल आदि पदाधिकारी उपस्थित रहे।

मंत्री मूलचंद शर्मा ने पौधा रोपण कर दिया जल संरक्षण का सन्देश

फरीदाबाद, (हि.स.)। मंत्री मूलचंद शर्मा ने पंडित दीनदयाल उपाध्याय की जयंती के उपलक्ष्य एवं भारतीय जनता पार्टी द्वारा देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिन के उपलक्ष में चलाए जा रहे सेवा पखवाड़े के तहत रविवार को बल्लभगढ़ के सेक्टर- 2 में पौधारोपण कर जल संरक्षण का संदेश दिया। परिवहन मंत्री मूलचंद शर्मा ने कहा अंतिम पंक्ति में खड़े हुए व्यक्ति को लाभ पहुंचाना ही भारतीय जनता पार्टी का मुख्य उद्देश्य है। उन्होंने कहा कि जब जल बचायेंगे तभी तो जीवन बचायेंगे। परिवहन मंत्री पण्डित मूलचंद शर्मा ने सभी सेक्टर वासियों को पार्क में जल संरक्षण का संदेश देते हुए कहा कि पार्क में भी हर समय पानी खुला न छोड़े। पेड़ पौधों में जरूरत के मुताबिक ही पानी लगाएँ। इस मौके पर भाजपा नेता टिपरचंद शर्मा, पूर्व पार्षद दयाचंद यादव, राकेश सिंह, प्रेम खट्टर, देवेंद्र गोयल, संदीप चाहर, हरप्रसाद गोड, भारत शर्मा,

पारस जैन, पीएल शर्मा, सुभाष लांबा, लखन बैनीवाल, प्रताप भाटी, दीपांसु अरोड़ा, दीपक यादव, राकेश गुर्जर, संदीप चौधरी, राजेश कौशिक, राजेंद्र शर्मा, पुष्पा शर्मा, सुषमा यादव, योगेश शर्मा, सतवीर शर्मा, केएल शर्मा, महेश गोयल सकड़ो सहित गणमान्य लोग मौजूद रहे।

बारिश से फसलों में नुकसान का आंकलन करवाकर सरकार करेगी भरपाईः कृषि मंत्री

भिवानी, (हि.स.)। प्रदेश के कृषि एवं पशुपालन मंत्री जयप्रकाश दलाल ने कहा है कि प्रदेश में बेमौसमी भारी बारिश से हुए कपास, धान, बाजरा, मूंग आदि फसल के नुकसान की भरपाई करवाई जाएगी। किसानों को नुकसान का उचित मुआवजा दिलवाया जाएगा। प्रदेश में किसान के हक को मरने नहीं दिया जाएगा। किसानों का हक सरकार के लिए प्राथमिक है। वे रविवार को गिगनाऊ में आयोजित कार्यकम के दौरान संबोधन दे रहे थे। उन्होंने पंचायत घर में पांच पौधे लगाए और पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। कार्यक्रम के दौरान दलाल ने पंडित दीनदयाल उपाध्याय जयंती के अवसर पर श्रद्धासुमन अर्पित किए। कृषि एवं पशुपाल मंत्री ने रविवार को अपने दौरे के दौरान अढाई करोड रुपए की लागत से बनने वाले बढ़दु मुगल से बरदू चैना, डेढ, डेढ करोड़ रुपए की लागत से बनने वाले पाजू से सिरसी, मतानी से सिवाच व मतानी से ढाणी भाखरा सडकों का शिलान्यास किया। उन्होंने कहा कि लोहारू क्षेत्र में एक भी मार्ग कच्चा नहीं रहने दिया जाएगा। इसके अलावा लोहारू क्षेत्र को हरा-भरा किया जाएगा, जिसको दूसरे प्रांतों के लोग देखने के लिए आएंगे। इस दौरान उन्होंने कालोद नहर की टेल भी देखा और अधिकारियों को निर्देश दिए कि उनके हिस्से का पूरा पानी मिलना चाहिए। इसके लिए नहर की लाइनिंग ठीक करवाई जाए। उन्होंने कहा कि लोहारू क्षेत्र के किसानों को सिंचाई पानी पर्याप्त मात्रा में मुहैया करवाया जाएगा। किसानों को किसी प्रकार की कोई चिंता करने की जरूरत नहीं है। उन्होंने कहा कि सिवानी में साढ़े 18 एकड़ में 15 करोड़ की लागत से, बहल में 5 करोड़ की लागत से तथा लोहारु में 15 करोड़ रूपए की लागत से सब्जी मंडी का निर्माण करवाया जाएगा।

DELHI CRIME 26 sep 2022:Layout 1 9/25/2022 9:12 AM Page 4

यूक्रेन संघर्ष ने दुनिया में खाद्य पदार्थ और ऊर्जा संबंधी मुद्रास्फीति को बढ़ाया: जयशंकर

न्यूयॉर्क, (हि.स.)। संयुक्त राष्ट्र की महासभा में विदेश मंत्री एस जयशंकर ने शनिवार को कहा कि यूक्रेन में संघर्ष ने दुनिया में खाद्य पदार्थों और ऊर्जा से जुड़ी मुद्रास्फीति को बढ़ा दिया है तथा इसे इस समय की सबसे बड़ी चुनौती बना दिया है। उन्होंने कहा कि भारत ने हाल के वर्षों में अफगानिस्तान, म्यांमा, श्रीलंका, यमन और कई अन्य देशों को अनुदान देने समेत खाद्यान्न की आपूर्ति करके अपनी प्रतिक्रिया व्यक्त की है। जयशंकर ने यहां एक विशेष इंडिया 75 शोकेसिंग इंडिया-यूएन पार्टनरशिप इन एक्शन कार्यक्रम में संबोधन के दौरान कहा कि भारत अपनी स्वतंत्रता के 100वें वर्ष यानी 2047 तक खुद को एक विकसित देश के रूप में देखता है। जयशंकर ने कहा कि हम अपने गांवों को डिजिटल बनाने और चांद पर पहुंचने का सपना देखते हैं। संभवतः इसका डिजिटलीकरण कर भी कर रहे हैं। हमारा विश्वास है कि भारत का विकास बाकी दुनिया से जुड़ा हुआ है, जिसे अलग नहीं किया जा सकता। इस कार्यक्रम में संयुक्त राष्ट्र महासभा के 77वें सत्र के अध्यक्ष साबा कोरोसी, संयुक्त राष्ट्र की उप महासचिव अमीना मोहम्मद, मालदीव के विदेश मंत्री अब्दुल्ला शाहिद और यूएनडीपी प्रशासक अचिम स्टेनर सहित संयुक्त राष्ट्र के गणमान्य व्यक्ति शामिल हुए। जयशंकर ने कहा कि भारत का मानना है कि विकास सार्वजनिक हित है और ओपन सोर्सिंग आगे बढने की सबसे अच्छी राह है।

उत्तर कोरिया ने अपने पूर्वी समुद्र की ओर एक छोटी दूरी की बैलिस्टिक मिसाइल दागी

- ताइकॉन से लॉन्च मिसाइल ने उत्तर कोरिया के पूर्वी तट में समुद्र में गिरने से पहले क्रॉस-कंट्री उड़ान भरी

सियोल (ईएमएस)। उत्तर कोरिया ने रविवार को अपने पूर्वी समुद्र की ओर एक छोटी दूरी की बैलिस्टिक मिसाइल दागी है, जिससे इलाके में तनाव बढ़ गया है क्योंकि एक अमेरिकी विमान वाहक पोत उत्तर कोरिया के बढ़ते परमाणु खतरे के जवाब में संयुक्त सैन्य अभ्यास के लिए दक्षिण कोरिया की ओर बढ़ रहा है। दक्षिण कोरिया के ज्वाइंट चीफ्स ऑफ स्टाफ ने बताया कि उत्तर कोरिया के पश्चिमी शहर ताइकॉन से लॉन्च की गई मिसाइल ने उत्तर कोरिया के पूर्वी तट में समुद्र में गिरने से पहले क्रॉस-कंट्री उड़ान भरी। दक्षिण कोरिया की सेना ने तुरंत इस मिसाइल के बारे में और ब्योरा जारी नहीं किया। खबर के मुताबिक यह भी नहीं बताया गया कि यह किस तरह की मिसाइल थी या कितनी दूर तक उड़ी थी। उत्तर कोरिया ने 2022 में अपनी मिसाइल टेस्ट की गतिविधियों को रिकॉर्ड गति से तेज किया है। 2017 के बाद से उसने पहली अंतरमहाद्वीपीय बैलिस्टिक मिसाइल सहित 30 से अधिक बैलिस्टिक हथियारों का परीक्षण किया है. परमाणु कूटनीति में लंबे समय से जारी गतिरोध के बीच उत्तर कोरिया अपनी सैनिक क्षमताओं को बढ़ाना लगातार जारी रखे हुए है। यह मिसाइल टेस्ट परमाणु-संचालित अमेरिकी विमानवाहक पोत यूएसएस रोनाल्ड रीगन के आने के समय पर हुआ है जो दक्षिण कोरिया के साथ संयुक्त सैन्य अभ्यास के लिए पहुंचा है। जिसका उद्देश्य उत्तर कोरिया के बढ़ते खतरों के खिलाफ अपनी ताकत दिखाना है जबकि जापान के प्रधानमंत्री फुमियो किशिदा ने एक बयान में कहा कि टोक्यो उत्तर कोरिया के मिसाइल के बारे में जानकारी इकट्ठा करने और जहाजों और विमानों की सुरक्षा की पुष्टि करने के लिए पूरी तरह से काम कर रहा है । हालांकि किसी नुकसान की तत्काल कोई रिपोर्ट नहीं थी। गौरतलब है कि अमेरिकी उपराष्ट्रपति कमला हैरिस अगले सप्ताह टोक्यो में पूर्व जापानी प्रधान मंत्री शिंजो आबे के अंतिम संस्कार में शामिल होने के बाद दक्षिण कोरिया का दौरा करेंगी। जिसमें उत्तर कोरिया का लगातार बढ़ता परमाणु खतरा भी एक प्रमुख एजेंडा होने की उम्मीद है।

चीन की चेतावनी- ताइवान मुद्दे पर जो दखल देगा उसे मिलेगा करारा जवाब

- वांग यी ने संयुक्त राष्ट्र महासभा में कहा, जब चीन एकीकृत हो जाएगा, तभी ताइवान सागर क्षेत्र में सच्ची शांति होगी

संयुक्त राष्ट्र (ईएमएस)। चीन ने विश्व नेताओं से कहा कि जो कोई भी स्वशासित द्वीप एकीकरण के उसके संकल्प के रास्ते में आएगा, उसे करारा जवाब दिया जाएगा। चीन के विदेश मंत्री वांग यी ने संयुक्त राष्ट्र महासभा में कहा कि जब चीन एकीकृत हो जाएगा, तभी ताइवान सागर क्षेत्र में सच्ची शांति हो सकती है। उन्होंने कहा कि बीजिंग बाहरी हस्तक्षेप पर जवाब देने के लिए सबसे सशक्त कदम उठाएगा। वांग ने कहा कि ताइवान हमारे देश की नीति का अहम मुद्दा है। युद्ध के बाद भी यह हमारे लिए महत्वपूर्ण है। चीन हर उस प्रयास को रोकेगा जिसमें दो चीन या एक ताइवान बनाने की कोशिश की जाएगी। ताइवान मुद्दे पर शांति रखने के लिए एक चीन सिद्धांत का पालन जरूरी है और इसके लिए इस मुद्दे में बाकी देशों की दखलअंदाजी नहीं होना जरूरी है। वांग ने जापान के नाम का जिक्र कर कहा कि चीन की अखंडता कायम रखनी है । बीजिंग ताइवान से शांति पूर्ण तरीके से इस मसले पर बातचीत कर रहा है। वांग ने कहा कि अमेरिका ताइवान को लेकर गलत और खतरनाक संकेत दे रहा है। यह बात वांग ने उस वक्त कही जब ब्लिंकेन ने कहा कि ताइवान को लेकर शांति और स्थिरता अत्यंत महत्वपूर्ण है। चीन ताइवान पर अपने दावे का जोरदार बचाव करता है। ताइवान 1949 के गृहयुद्ध के बाद चीन से अलग हो गया था। अमेरिकी प्रतिनिधि सभा की स्पीकर नैन्सी पेलोसी की ताइवान की हालिया यात्रा से अमेरिका और चीन के बीच तनाव और बढ़ा है। चीन के लिए ताइवान देश की नीति का मुख्य मुद्दा रहा है। कहा जा रहा है कि संयुक्त राष्ट्र महासभा में कही गई चीन की इस बात का ताइवान पर असर पड़ सकता है। दूसरी ओर न के राष्ट्रपति शी जिंगपिंग की उजबेकिस्तान में रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से मुलाकात हुई। इस मुलाकात ने भी बदलाव के संकेत दिए हैं। दोनों राष्ट्र प्रमुखों की मुलाकात ने संकेत दिया है कि दोनों देश एक-दूसरे के नजदीक आ रहे हैं।

भारत को संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद का स्थाई सदस्य बनाया जाए : लावरोव

न्यूयॉर्क (ईएमएस)। संयुक्त राष्ट्र महासभा के 77वें अधिवेशन को संबोधित करते हुए रूस के विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव ने सुरक्षा परिषद को और लोकतांत्रिक बनाने की बात कही। उन्होंने कहा एशिया, अफ्रीका और लैटिन अमेरिकी देशों का प्रतिनिधित्व बढ़ाकर ऐसा किया जा सकता है। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि भारत को सुरक्षा परिषद की स्थाई सदस्यता दी जानी चाहिए। सर्गेई लावरोव ने ब्राजील को भी इस विशिष्ट समूह में शामिल करने की वकालत की है। संयुक्त राष्ट्र में फिलहाल 5 देशों को स्थाई सदस्यता मिली हुई है। भारत लंबे समय से इस ग्रुप में शामिल किए जाने की मांग कर रहा है। इससे पहले भारत समेत 31 देशों ने संयुक्त राष्ट्र में सुधार को लेकर बयान जारी किया था। इसमें सुरक्षा परिषद का विस्तार करने की बात कही गई थी। बयान में सुरक्षा परिषद के स्थाई और अस्थाई सदस्यों की संख्या बढ़ाने की मांग की गई है।

यूरोपीय संघ को पुतिन की धमकियों को गंभीरता से लेना चाहिए: विदेश नीति प्रमुख

- यूक्रेन से हो रहे संघर्ष में परमाणु हथियारों का इस्तेमाल कर सकते हैं पुतिन

लंदन (ईएमएस)। ब्लॉक के विदेश नीति प्रमुख का कहना है कि यूरोपीय संघ को व्लादिमीर पुतिन की धमकियों को गंभीरता से लेना चाहिए। वह यूक्रेन से हो रहे संघर्ष में परमाणु हथियारों का इस्तेमाल कर सकते हैं। जोसेप बोरेल ने बताया कि युद्ध एक खतरनाक क्षण में पहुंच गया है। उनकी यह टिप्पणी उस वक्त आई है जब रूस ने आंशिक रूप से यूक्रेन पर लामबंदी शुरू की है और 4 क्षेत्रों पर कब्जा करने के लिए आगे बढ़ रहा है। इतना ही नहीं रूस को युद्ध के मैदान में असफलताओं का सामना करना पड़ा है। उनकी सेनाओं को एक यूक्रेनी जवाबी हमले से पीछे धकेल दिया गया है। बोरेल का कहना है कि यह एक खतरनाक क्षण है क्योंकि रूसी सेना को एक कोने में धकेल दिया गया है और पुतिन की प्रतिक्रिया, परमाणु हथियारों का उपयोग करने की धमकी, यह बहुत बुरा है। रूस के यूक्रेन पर आक्रमण शुरू होने के 7 महीने बाद विश्लेषकों का मानना है कि राष्ट्रपति पुतिन की सेनाएं बैकफुट पर हैं, लेकिन अब उन्होंने कहा कि एक डिप्लोमेटिक सॉल्यूशन तक पहुंचा जाना चाहिए। इस सप्ताह की शुरूआत में राष्ट्र के नाम एक संबोधन में पुतिन ने कहा था कि उनके देश के पास विनाश के विभिन्न हथियार हैं और हम उपलब्ध सभी साधनों का उपयोग करेंगे। इसे मजाक में नहीं लेना चाहिए।

अमेरिका में एक आयोग ने कहा- सेना की शाखाओं को मानकीकृत वर्दी नीति अपनाना चाहिए

- 1981 में सैनिकों के पगड़ी पहनने, दाढ़ी रखने, विशेष टोपी पहनने आदि पर लगा दिया गया था प्रतिबंध

वाशिंगटन (ईएमएस)। अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन द्वारा गठित एक आयोग ने सिफारिश की है कि अमेरिकी सेना की सभी शाखाओं को एक मानकीकृत वर्दी नीति अपनानी चाहिए, जो सैनिकों को पगड़ी पहनने, दाढ़ी रखने, हिजाब और टोपी पहनने जैसे अपने धार्मिक नियमों का पालन करने की अनुमति देती है। एशियाई अमेरिकी, हवाई के मूल निवासी और प्रशांत द्वीप समूह में रहने वाले विभिन्न धार्मिक समुदायों के लोगों पर राष्ट्रपति के सलाहकार आयोग ने एक रिपोर्ट जारी की, जिसमें 12 मई को स्वीकृत सिफारिशों का विवरण दिया गया है। दरअसल, अमेरिकी सेना की 1981 में जारी वर्दी संबंधी दिशा-निदेर्शों के तहत सैनिकों के पगड़ी पहनने, दाढ़ी रखने, हिजाब और यहूदी पुरुषों द्वारा पहनी जाने वाली विशेष टोपी के पहनने पर प्रतिबंध लगा दिया गया था। अमेरिकी थल सेना और वायु सेना ने क्रमशः 2017 और 2020 में अपनी वर्दी नीतियों में बदलाव करते हुए सैनिकों को अपनी-अपनी धार्मिक आस्था की चीजें पहनने की अनुमति प्रदान कर दी थी। राष्ट्रपति द्वारा गठित आयोग ने कहा कि अब सैकड़ों सैनिक मौजूदा समय में अमेरिकी थल सेना और वायु सेना में अपनी धार्मिक आस्थाओं का पालन करते हुए नौकरी कर सकते हैं। आयोग ने कहा लेकिन अमेरिकी नौसेना ने सैनिकों को सीमित दायरे के तहत ही अपनी धार्मिक आस्था का पालन करने की अनुमति प्रदान की है। नतीजतन, उन्हें अपने देश की सेवा करने के लिए अपनी धार्मिक मान्यताओं का उल्लंघन करने के लिए मजबूर किया जा रहा है। आयोग ने कहा कि सेना की विभिन्न शाखाओं में धार्मिक समायोजन के लिये प्रक्रिया और नीति में भिन्नता है।

आज का इतिहास 26 सितम्बर

1766 ब्रिटिश रसायनशास्त्री जान डाल्टन का जन्म.
1821 ईश्वरचंद्र विद्यासागर का जन्म.
1851 फ्रांस में प्रेस की स्वतंत्रता पर अंकुश लगाया गया.
1919 भारतीय रोटरी क्लब की पहली बैठक कोलकत्ता में हुई थी.
1971 न्यूजीलैंड स्वशासी देश बना.
1975 महिला और पुरुष को एक समान वेतन देने का अध्यादेश जारी हुआ.
1976 अफ्रीका के पांच देशों ने रोडेशियाई योजना को अस्वीकार कर दिया.
1977 प्रसिद्ध नर्तक उदयशंकर का निधन.
1984 चीन और ब्रिटेन में हांगकांग लौटाने के बारे में समझौता हुआ.
1988 बर्मी मंत्रिमंडल के एक मंत्री की हत्या हुई.
1989 सोवियत संघ ने रासायनिक हथियारों को नष्ट करने में सहयोग का आश्वासन राष्ट्रसंघ में दिया.
2001 बिहार के मुजफ्फरपुर शहर में पंजाब नेशनल बैंक के एक कर्मचारी के पांच वर्षीय पुत्र की अपहरण पश्चात हत्या की खबर से सड़कों पर उतरी भीड़ को नियंत्रित करने चलाई गई पुलिस की गोली से 6 लोग मारे गए.
2003 प्रधानमंत्री अटलबिहारी वाजपेयी ने संयुक्त राष्ट्र की महासभा को संबोधित किया.
2003 रवीना टंडन बाल फिल्म सोसायटी की अध्यक्ष बनी.

क्वॉड ने हिंद-प्रशांत क्षेत्र में एकतरफा कार्रवाई का विरोध किया

वाशिंगटन (ईएमएस)। ऑस्ट्रेलिया, जापान और अमेरिका के समूह क्वॉड ने कहा कि वह हिंद प्रशांत क्षेत्र में यथास्थिति को बदलने संबंधी किसी भी एकतरफा कदम का कड़ाई से विरोध करता है। हाल ही में जारी किए गए संयुक्त बयान के मुताबिक संयुक्त राष्ट्र महासभा के 77वें वार्षिक सत्र से इतर समूह के विदेश मंत्रियों ने स्वतंत्र और मुक्त हिंद-प्रशांत क्षेत्र का समर्थन करने के लिए क्वॉड बहु पक्षीय सहयोग को और मजबूत बनाने के लिए बैठक की। ऑस्ट्रेलिया के विदेश मंत्री पेन्नी वोंग, भारत के विदेश मंत्री एस. जयशंकर, जापान के विदेश मंत्री हयाशी योशिमासा और अमेरिकी विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन ने इस बैठक में हिस्सा लिया। अमेरिकी विदेश मंत्रालय द्वारा जारी बयान में कहा गया कि क्षेत्र के लिए क्वॉड का मानना है कि वहां नियम आधारित व्यवस्था स्थापित हो जहां स्वतंत्रता, कानून का शासन, लोकतांत्रिक मूल्य, विवादों का शांतिपूर्ण समाधान, संप्रभुता और क्षेत्रीय अखंडता का सम्मान हो। बयान में कहा गया कि हम क्षेत्र में यथास्थिति को बदलने और तनाव बढ़ाने वाली किसी भी एकतरफा कार्रवाई का कड़ा विरोध करते हैं। उन्होंने अंतरराष्ट्रीय कानून, शांति और सुरक्षा कायम रखने की प्रतिबद्धता दोहराई जो हिंद-प्रशांत क्षेत्र में विकास और समृद्धि का आधार है। गौरतलब है कि चीन लगभग पूरे दक्षिण चीन सागर पर दावा करता है जबकि ताइवान, फिलीपीन, ब्रूनेई, मलेशिया और वियतनाम अपने-अपने हिस्से पर दावा करते हैं।

तूफान की आशंका के चलते नासा के आर्टेमिस-1 की लॉन्चिंग तीसरी बार फिर रुकी

वॉशिंगटन (ईएमएस)। अमेरिका की स्पेस एजेंसी नासा के बहुप्रतीक्षित आर्टेमिस-1 के प्रक्षेपण एक बार फिर रुक गया है। तूफान की आशंका के कारण अगले हफ्ते चंद्रमा के लिए अपने रॉकेट के प्रक्षेपण को टालने की घोषणा की है।

वर्तमान में कैरेबियाई क्षेत्र में केंद्रित तूफान के आगामी दिनों में और प्रचंड रूप धारण करने की आशंका है। मानवरहित चंद्र-परिक्रमा परीक्षण उड़ान के लिए पिछले महीने से यह तीसरी बार देरी हुई है। आधी सदी पहले नासा के चंद्र अभियान के बाद यह बेहद महत्वाकांक्षी अभियान है। हाइड्रोजन ईंधन रिसाव और अन्य तकनीकी मुद्दों के कारण पिछली बार प्रक्षेपण में देरी हुई थी। वर्तमान में कैरेबियाई क्षेत्र में केंद्रित तूफान ह्यइयान' के सोमवार तक और मजबूत होने तथा बृहस्पतिवार तक फ्लोरिडा के खाड़ी तट पर दस्तक देने की आशंका है। नासा के कैनेडी अंतरिक्ष केंद्र समेत फ्लोरिडा के कई हिस्सों में इसका असर पड़ने का अनुमान है। मौसम संबंधी अनिश्चितताओं के कारण नासा ने मंगलवार को प्रक्षेपण टालने का फैसला किया। नासा के अधिकारी रविवार को तय करेंगे कि इस रॉकेट को प्रक्षेपण स्थल से हटाया जाए या नहीं। अगर इसे प्रक्षेपण स्थल पर कायम रखा जाता है तो दो अक्टूबर को इसे प्रक्षेपित करने की कोशिश की जाएगी।

अगर तब भी देरी होगी तो नवंबर तक इसका प्रक्षेपण कार्यक्रम टल सकता है। स्पेस लॉन्च सिस्टम रॉकेट नासा द्वारा बनाया गया अब तक का सबसे शक्तिशाली रॉकेट है।

बूस्टर डोज नहीं लगवाने की वजह से 6 सप्ताह में दूसरी बार कोरोना से संक्रमित हुए फाइजर के सीईओ

वाशिंगटन (ईएमएस)। अमेरिकी दवा निमार्ता कंपनी फाइजर के सीईओ अल्बर्ट बौर्ला 6 सप्ताह में दूसरी बार कोरोना वायरस से ग्रसित हो गए हैं। उन्होंने शनिवार को ट्वीट करके कहा मेरी कोविड-19 टेस्ट रिपोर्ट पाजिटिव आई है। मैं ठीक हूं और स्वास्थ लाभ ले रहा हूं। बौर्ला ने बताया कि उन्हें कोविड का कोई लक्षण नहीं है। उन्होंने कहा कि जबकि इस महामारी के खिलाफ लड़ाई में हमने बहुत प्रगति की है, वायरस अब भी हमारे बीच मौजूद है। फाइजर के सीईओ ने कहा कि उन्होंने अभी तक अपडेटेड कोविड 19 बूस्टर शॉट नहीं लगवाया है। क्योंकि वह अपने पिछले कोविड 19 संक्रमण के 3 महीने पूरे होने इंतजार कर रहे हैं। आपको बता दें कि अल्बर्ट बौर्ला इससे पहले अगस्त में भी कोरोनावायरस से संकमण से ग्रसित हुए थे। यूएस सेंटर फॉर डिजीज कंट्रोल एंड प्रिवेंशन ने सिफारिश की है कि जो लोग हाल ही में कोविड 19 संक्रमण से उबरे हैं, वे वैक्सीन का बूस्टर डोज लगवाने के लिए कम से कम तब तक प्रतीक्षा करें जब तक कि उनके शरीर में वायरस का प्रभाव पूरी तरह खत्म न हो जाए। सीडीसी का कहना है कि एक व्यक्ति संक्रमण संबंधित लक्षण शुरू होने से 3 महीने तक कोविड टीके के बूस्टर डोज में देरी करने पर विचार कर सकता है। कोरोना संक्रमण से उबरने के बाद आदमी के शरीर में वायरस के खिलाफ एंटीबाडी बनती है, जो एक बूस्टर की तरह काम कर सकता है। अध्ययनों से पता चला है कि लोगों को ठीक होने के बाद लगभग 3 महीने तक फिर से संक्रमित होने का अपेक्षाकृत कम जोखिम होता है। सीएनएन के मुताबिक अगर कोरोना संक्रमण की तीव्रता अधिक है और कम्युनिटी स्प्रेड का खतरा है, तो कमजोर प्रतिरोधक क्षमता वाले लोग वैक्सीन के बूस्टर शॉट के लिए 3 महीने तक इंतजार नहीं करना चाहेंगे। सीडीसी ने 1 सितंबर को फाइजर और मॉडर्ना के अपडेटेड बूस्टर शॉट्स को हरी झंडी दिखाई थी। फाइजर/बायोनटेक का अपडेटेड वैक्सीन 12 साल और उससे अधिक उम्र के लोगों के लिए है। लोगों को टीके की अधिकृत 30 माइक्रोग्राम डोज देनी है। वहीं, माडर्ना का अद्यतन टीका 18 वर्ष और उससे अधिक उम्र के लोगों के लिए है, जिसकी अधिकृत डोज 50 माइक्रोग्राम है।

यूक्रेन के खारकीव में आरपीजी - ग्रेनेड लांचर के करीब बैखौफ बैठी हुई एक बिल्ली। (फोटो-ईएमएस)

DELHI CRIME 26 sep 2022:Layout 1 9/25/2022 9:12 AM Page 5

प्राइम सब्सक्रिप्शन ग्राहकों को चार घंटे के अंदर सामाना डिलेवर करेगी अमेजन, 50 शहरों में सेवा शुरू

मुंबई (ईएमएस)। ऑनलाइन शॉपिंग प्लेटफॉर्म अमेजन पर सालाना सेल शुरू हो चुकी है। इस बीच कंपनी ने भारत के 50 शहरों में अपनी सेम-डे डिलीवरी सर्विस शुरू करने की घोषणा की है। इस सर्विस के अंतर्गत आने वाले शहरों के प्राइम मेंबर्स को केवल चार घंटे के अंदर प्रोडक्ट डिलीवर किए जाएंगे। अमेजन चार घंटों में कंज्यूमर इलेक्ट्रॉनिक्स, किताबें, खिलौने, लग्जरी, स्पोर्ट्स, वीडियो गेम्स और पर्सनल केयर जैसे प्रोडक्ट्स ग्राहकों तक पहुंचाएगी। गौरतलब है कि कंपनी ने इस सेवा को पिछले साल शुरू किया था। उस समय कंपनी 14 शहरों में यह सुविधा दे रही थी। हालांकि, अब यह सर्विस देशभर के 50 शहरों में उपलब्ध रहेगी। इस सेवा के शुरू होने के साथ ही सूरत, मैसूर, मैंगलोर, भोपाल, नासिक, नेल्लोर, अनंतपुर, वारंगल, गाजियाबाद, फरीदाबाद और पटना जैसे शहरों में रहने वाले ग्राहकों को अब अपना प्रोडक्ट पाने के लिए लंबा इंतेजार नहीं करना होगा। उल्लेखनीय है कि अमेजन की यह नई सर्विस केवल अमेजन प्राइम सब्सक्रिप्शन वाले ग्राहकों के लिए उपलब्ध है। बाकी ग्राहकों को उनका प्रोडक्ट पहले की तरह डिलीवर होगा। इस सर्विस की खास बात यह है कि इसके लिए प्राइम सब्सक्रिप्शन लेने वाले ग्राहकों को कोई अतिरिक्त भुगतान नहीं करना होगा। यह सर्विस बिल्कुल फ्री है। बता दें कि प्राइम सब्सक्रिप्शन वाले ग्राहकों के पास पहले से ही फ्री वन-डे डिलीवरी का ऑप्शन मौजूद है। इसके तहत कंपनी अपने प्राइम मेंबर्स को एक दिन में प्रोडक्ट डिलीवर करती है।

जेरोधा के सीईओ ने कर्मचारियों से कहा- जो फिटनेस लक्ष्य हासिल करेगा उसे मिलेगा बोनस

- रोजना फिटनेस लक्ष्य का 90 फीसदी हासिल करना होगा, कंपनी ने 10 लाख रुपए का एक लकी ड्रा भी रखा

नई दिल्ली (ईएमएस)। ऑनलाइन ब्रोकिंग फर्म जेरोधा के सह-संस्थापक और सीईओ नितिन कामथ ने अपनी कंपनी के कर्मचारियों के लिए एक नई पहल की है। उन्होंने अपने कर्मचारियों को फिटनेस के लिए रोजाना गोल्स सेट करने के लिए कहा है। उन्होंने कहा है कि जो कर्मचारी अपने फिटनेस लक्ष्य को हासिल कर लेगा उसे बोनस के रूप में एक महीने का वेतन दिया जाएगा। उन्होंने अपने कर्मचारियों को फिटनेस को लेकर चैलेंज दिया है। कामथ ने फिटनेस ट्रैकर पर अपने कर्मचारियों को रोजाना एक लक्ष्य निर्धारित करने का चैलेंज दिया है। कामथ ने एक लिंक्डइन पोस्ट में कहा है कि हममें से अधिक लोग वर्क फ्रॉम होम में हैं। बैठने और स्मोकिंग की आदत लगातार बढ़ रही है। इसलिए हम अपनी टीम को एक्टिव करने के लिए कुछ कर रहे हैं। फिटनेस ट्रैकर का इस्तेमाल करने वाले लोगों को देखना दिलचस्प होगा। कामथ के अनुसार एक महीने की बोनस सैलरी पाने के लिए कर्मचारियों को अपने रोजना फिटनेस लक्ष्य का 90 फीसदी हासिल करना होगा। साथ ही इसमें 10 लाख रुपए का एक लकी ड्रा भी रखा गया है। उन्होंने कहा कि जेरोधा में हमारा नया चैलेंज फिटनेस ट्रैकर्स पर डेली टार्गेट सेट करना है। उन्होंने कहा कि यह एक ऑप्शनल प्रोग्राम है और प्रति दिन कम से कम 350 एक्टिव कैलोरी किसी भी रूप में बर्न होनी चाहिए। कामथ ने एक फिटनेस ऐप का स्क्रीनशॉट शेयर करते हुए अपने पर्सनल अनुभव भी शेयर किए। उन्होंने बताया कि कोरोना के दौरान मेरा वजन बढ़ गया था। मैंने अपने लिए फिटनेस गोल्स बनाए और वजन को कम किया। उन्होंने कहा कि हेल्दी खानपान को लेकर भी कर्मचारियों को जागरूक होना चाहिए।

मूनलाइटिंग को लेकर एक और उद्योगपति ने कहा- डेटा की सुरक्षा से समझौता करना पाप होगा

- विप्रो ने मूनलाइटिंग के आरोप में 300 कर्मचारियों को कंपनी से कर दिया था बाहर

नई दिल्ली (ईएमएस)। मूनलाइटिंग पर मचे घमासान में आरपीजी ग्रुप के चेयरमैन हर्ष गोयनका भी शामिल हो गए हैं। उन्होंने विप्रो और स्विगी की तुलना करने वाले लोगों को कहा है कि आप स्विगी और विप्रो की तुलना नहीं कर सकते हैं। विप्रो के क्लाइंट्स फॉर्च्यून 500 कंपनियां हैं जिनके डेटा की सुरक्षा से समझौता पाप होगा। अगर इन कंपनियों को थोड़ा भी संदेह हुआ कि उनके डेटा की सुरक्षा खतरे में है तो इसे बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने अपने आधिकारिक ट्विटर हैंडल पर यह बात लिखी। गौरतलब है कि हाल में विप्रो ने मूनलाइटिंग के आरोप में 300 कर्मचारियों को कंपनी से निकाल दिया था। इससे पहले विप्रो के चेयरमैन रिशद प्रेमजी ने मूनलाइटिंग को चीटिंग कहा था। केवल विप्रो ही नहीं इन्फोसिस और टीसीएस ने भी मूनलाइटिंग के खिलाफ अपना मत दिया है। इन्फोसिस ने कर्मचारियों को ई-मेल भेजकर यहां तक कहा है कि इस पद्धति को बिलकुल स्वीकार नहीं किया जा सकता है और कोई भी कर्मचारी मूनलाइटिंग करता है तो उसे कंपनी से निकाल दिया जाएगा। हालांकि स्विगी ने अपने कर्मचारियों को मूनलाइटिंग की अनुमति दे दी थी। आईटी व स्किल डेवलपमेंट मिनिस्टर राजीव चंद्रशेखर ने मूनलाइटिंग के पक्ष में बयान दिया है। उन्होंने कहा है कि आज का युवा अपने कौशल को लेकर आत्मविश्वास से भरपूर है, जो इसे अपने लाभ के लिए इस्तेमाल करना चाहता है। कंपनियों को इनके सपनों को बांधने की कोशिश नहीं करनी चाहिए। कंपनियों का युवाओं को इस तरह रोकने का प्रयास विफल होगा वह भी तब जब इनमें से अधिकांश खुद के स्टार्टअप के लिए काम कर रहे हैं। उन्होंने यह भी कहा कि एक समय ऐसा भी आएगा जब लोग अलग-अलग प्रोजेक्ट्स के हिसाब से अपने समय का बंटवारा करेंगे जैसे वकील या सलाहकार करते हैं। जब कोई कर्मचारी अपनी मुख्य जॉब के अलावा किसी और नौकरी को भी अपना समय देता है तो इसे मूनलाइटिंग कहा जाता है। यानी एक नौकरी दिन के उजाले में और दूसरी रात की रोशनी में. यहीं से मूनलाइटिंग शब्द का जन्म हुआ है।

बैंक ऑफ बड़ौदा ने भी शुरू की वॉट्सऐप बैंकिंग सुविधा

नई दिल्ली (ईएमएस)। सार्वजनिक क्षेत्र का बैंक ऑफ बड़ौदा भी वॉट्सऐप बैंकिंग की सुविधा दे रहा है। आप बैंक ऑफ बड़ौदा के वॉट्सऐप नंबर पर चैट के जरिए बैंक बैलेंस और मिनी स्टेटमेंट की जानकारी समेत कई सर्विस का फायदा उठा सकते हैं। बैंक ऑफ बड़ौदा की वॉट्सऐप बैंकिंग सेवा हिंदी और अंग्रेजी दोनों में उपलब्ध है। बैंक के ग्राहक घर बैठे केवल अपने वॉट्सऐप बैंकिंग के जरिए अकाउंट बैलेंस की जांच के अलावा, मिनी स्टेटमेंट, डेबिट कार्ड ब्लॉक करने, चेकबुक आदि के लिए रिक्वेस्ट कर सकते हैं। इसके लिए सबसे पहले 8433888777 नंबर के अपने मोबाइल में सेव करें। इसके बाद इस नंबर पर एचआई भेजें। बैंक ऑफ बड़ौदा अपने आप से उपलब्ध सर्विस की लिस्ट आपके सामने रखेगा। अब लिस्ट से आवश्यक सर्विस का कीवर्ड टाइप करें और उस पर क्लिक करके उपयोग कर सकते हैं। बैंक ऑफ बड़ौदा की वॉट्सऐप बैंकिंग के साथ का आप 24 घंटे फायदा ले सकते हैं।

महिंद्रा ने बच्चे का वीडियो शेयर कर क्यों की इसको शांतिदूत बनाने की सिफारिश?

नई दिल्ली (ईएमएस)। उद्योगपति और महिंद्रा एंड महिंद्रा के प्रमुख आनंद महिंद्रा अक्सर सोशल मीडिया पर मजेदार और प्रेरणादायक पोस्ट करने के लिए जाने जाते हैं। महिंद्रा ग्रुप के चेयरमैन हर दिन ऐसे पोस्ट शेयर करते हैं, जिसमें सोसाइटी के लिए कोई न कोई एक गहरा संदेश छिपा होता है। अब हाल ही में उन्होंने एक वीडियो शेयर किया है, जिस-की काफी चर्चा हो रही है। आनंद महिंद्रा की ओर से ट्विटर पर शेयर की गई वीडियो में एक प्यारा बच्चा हवाई जहाज से नीचे उतर रहा है। खास बात यह है कि महिंद्रा ने यह वीडियो संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरेस को टैग करते हुए शेयर किया है। वीडियो में यह बच्चा फ्लाइट से उतरते वक्त सीटों पर बैठे सभी यात्री को हाय कह रहा है। दूसरी और सभी यात्री भी बच्चे को रिप्लाई कर रहे हैं। अब सोशल मीडिया यूजर को इस बच्चे का अंदाज काफी पसंद आ रहा है और लोग इस वीडियो को जमकर लाइक और शेयर कर रहे हैं। आनंद महिंद्रा ने वीडियो शेयर करते हुए लिखा, दुनिया अधिक संघर्ष-ग्रस्त होती जा रही है। रूस की लामबंदी केवल संकट को बढ़ाती है, लेकिन बच्चे हमें याद दिलाना जानते हैं कि दुनिया कैसी होनी चाहिए। उन्होंने लिखा है कि इस बच्चे को शांति और सद्भावना के लिए संयुक्त राष्ट्र का राजदूत बनाना चाहिए। ट्विटर पर शेयर की गई इस वीडियो को अब तक 2 लाख से ज्यादा लोग देख चुके हैं। सोशल मीडिया यूजर्स भी बच्चे के इस अंदाज को काफी पसंद कर रहे हैं।

प्राकृतिक गैस की कीमत में हो सकती है रिकॉर्ड बढ़ोतरी

- गैस की कीमतों में संशोधन एक अक्टूबर को करेगी सरकार

नई दिल्ली (ईएमएस)। प्राकृतिक गैस की कीमत इस सप्ताह में होने वाली समीक्षा के बाद रिकॉर्ड उच्चस्तर पर पहुंच सकती है। प्राकृतिक गैस का इस्तेमाल बिजली उत्पादन, उर्वरक और वाहनों के लिए सीएनजी उत्पादन में होता है। देश में उत्पादित गैस की कीमत सरकार तय करती है। सरकार को गैस कीमतों में अगला संशोधन एक अक्टूबर को करना है। सार्वजनिक क्षेत्र की ऑयल एंड नैचुरल गैस कॉरपोरेशन (ओएनजीसी) के पुराने क्षेत्रों से उत्पादित गैस के लिए भुगतान की जाने वाली दर 6.1 डॉलर प्रति इकाई (मिलियन ब्रिटिश थर्मल यूनिट) से बढ़कर नौ डॉलर प्रति इकाई पर पहुंच सकती है। यह नियमन वाले क्षेत्रों के लिए अब तक की सबसे ऊंची दर होगी। बेंचमार्क अंतरराष्ट्रीय कीमतों में उछाल के बीच यह अप्रैल, 2019 से प्राकृतिक गैस कीमतों में तीसरी वृद्धि होगी। सरकार प्रत्येक छह महीने में गैस के दाम तय करती है। यह कीमत अमेरिका, कनाडा और रूस जैसे गैस अधिशेष वाले देशों की पिछले एक साल की दरों के आधार पर एक तिमाही के अंतराल के हिसाब से तय की जाती है।

ऐसे में एक अक्टूबर से 31 मार्च, 2023 तक के लिए गैस का दाम जुलाई, 2021 से जून, 2022 की कीमत के आधार पर तय किया जाएगा। उस समय गैस कीमतें ऊंचाई पर थीं। सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक सरकार ने घरेलू स्तर पर उत्पादित प्राकृतिक गैस के मूल्य की समीक्षा का फॉमूर्ला तय करने के लिए एक समिति गठित की थी।

नई टीगोर ईवी आई4 इलेक्ट्रिक कार लॉन्च

-सिर्फ 15 मिनट में ही किया जा सकता है फुल चार्ज

नई दिल्ली (ईएमएस)। महंगी कारें बनाने वाली कंपनी बीएमडब्ल्यू ने मार्केट में हाल ही में एक बिल्कुल नई टीगोर ईवी आई4 इलेक्ट्रिक कार को लॉन्च किया है। इसकी खास बात यह है कि इसे फास्ट चार्जर की मदद से सिर्फ 15 मिनट में ही फुल चार्ज किया जा सकता है। बीएमडब्ल्यू की यह कार एक बार चार्ज करने पर 590 किलोमीटर तक चलती है। स्पीड और मजबूती के मामले में भी यह कार किसी पेट्रोल और डीजल पर चलने वाली कार से कम नहीं है। दिल्ली से मनाली की दूसरी करीब 533 किमी है। इस लिहाज से एक बार चार्ज करने पर यह कार दिल्ली से मनाली पहुंच सकती है। हालांकि, रोड की कंडीशन पर भी निर्भर करेगा। बीएमडब्ल्यू की भारत में यह दूसरी इलेक्ट्रिक कार है, कंपनी ने इससे पहले भारतीय बाजार में बीएमडब्ल्यू आईएक्स एसयूवी इलेक्ट्रिक लांच किया था। यह दो वेरिएंट में उपलब्ध है। हालांकि दोनों ही वेरिएंट में ज्यादा फर्क नहीं है। दोनों वेरिएंट की बात करें तो यह ई3ड्राइव 40 और एम50 एक्स ड्राइव है। पहली बार इस कार को दिल्ली इंडिया आर्ट फेयर में जारी किया गया था। बीएमडब्ल्यू की इस कार को भारतीय बाजार में 69.90 लाख रुपए की कीमत के साथ उतारा गया है। हमारे देश में लॉन्च हुई है पहली लग्जरी इलेक्ट्रिक सेडान कार है। इलेक्ट्रिक कार में 2856 एमएम का व्हीलबेस है।

मेश ग्रिल की जगह जिसमें बॉडी प्लेट दी गई है क्योंकि यह इलेक्ट्रिक कार है।लुक और डिजाइन में यह बहुत ही शानदार है। आगे की तरफ बीच में एलईडी हेडलैंप लगी है। इस कार की लंबाई 4783 एमएम, चौड़ाई 1852 एमएम और ऊंचाई 1000 448 एमएम है। बीएमडब्ल्यू की कार में बहुत ही दमदार बैटरी दी गई है। ई3ड्राइव40 वेरिएंट में 83.9केडब्ल्यूएच की बैटरी है। इस कार की इलेक्ट्रिक मोटर 335 बीएचपी के साथ अधिकतम 430एनएम पावर उत्पन्न करने में सक्षम है। यह कार मात्र 5.7 से-कंड के भीतर जीरो से 100 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से चलने लगती है। अगर बैटरी चार्जिंग की बात करें तो यह स्मार्टफोन से भी फास्ट चार्ज हो जाती है। सोलर पैनल के कारण इसे बार-बार चार्ज करने की जरूरत नहीं पड़ती। बता दें कि जिस तरह से दिन-प्रतिदिन पेट्रोल और डीजल की कीमतें बढ़ रही हैं। इसी को देखते हुए टाटा महिंद्रा और बीएमडब्ल्यू जैसी कंपनियां एक के बाद एक इलेक्ट्रिक कार मार्केट में उतार रही हैं।

एफपीआई ने सितंबर में अब तक शेयरों में 8,600 करोड़ का किया निवेश

नई दिल्ली (ईएमएस)। विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) ने सितंबर में अब तक भारतीय शेयरों में 8,600 करोड़ रुपए का निवेश किया है। इससे पिछले महीने एफपीआई ने भारतीय शेयर बाजारों में 51,000 करोड़ रुपए डाले थे। बाजार के जानकारों का कहना है कि डॉलर में मजबूती के बीच आगे चलकर एफपीआई आक्रामक तरीके से लिवाली नहीं करेंगे। अमेरिकी केंद्रीय बैंक फेडरल रिजर्व द्वारा ब्याज दरों में और वृद्धि की संभावना, मंदी की आशंका, रुपए में गिरावट और रूस-यूक्रेन तनाव बढ़ने से एफपीआई का प्रवाह प्रभावित होगा। डिपॉजिटरी के आंकड़ों के अनुसार, इससे पहले अगस्त में एफपीआई ने शेयरों में 51,200 करोड़ रुपए डाले थे।

जुलाई में शेयरों में उनका निवेश करीब 5,000 करोड़ रुपए रहा था। लगातार नौ माह तक निकासी के बाद एफपीआई जुलाई में लिवाल बने थे। पिछले साल अक्टूबर से एफपीआई की निकासी का सिलसिला शुरू हुआ था। अक्टूबर, 2021 से जून, 2022 तक उन्होंने 2.46 लाख करोड़ रुपए के शेयर बेचे थे। आंकड़ों के अनुसार एक से 23 सितंबर के बीच एफपीआई ने 8,638 करोड़ रुपए के शेयर खरीदे। हालांकि इस महीने अबतक भारतीय शेयर बाजारों में एफपीआई के रुख में काफी उतार-चढ़ाव देखने को मिला है। इस महीने सात कारोबारी दिन उन्होंने बिकवाली की है। पिछले दो कारोबारी सत्रों में एफपीआई ने शेयर बाजारों से 2,500 करोड़ रुपये की निकासी की है।

जुपिटर स्कूटर का नया वेरिएंट लॉन्च

- कीमत भी कम और शानदार हैं फीचर्स

नई दिल्ली (ईएमएस)। ऑटोमोबाइल सेक्टर की कंपनी टीवीएस मोटर ने जुपिटर स्कूटर का नया वेरिएंट लॉन्च किया है। नए स्कूटर को जुपिटर क्लासिक नाम दिया गया है। यह नया टॉप-स्पेक वर्जन है। टीवीएस जुपिटर क्लासिक की कीमत 85,866 रुपये एक्स शोरूम है। टीवीएस जुपीटर का मुकाबला होंडा एक्टिवा, हीरो प्लीजर प्लस और हीरो मेस्ट्रो इग्ज 110 से है।कंपनी ने जूपिटर क्लासिक में कुछ कॉस्मेटिक बदलाव किए हैं। टीवीएस ने 50 लाख टू-व्हीलर की बिक्री का जश्न मनाने के लिए जुपिटर क्लासिक लॉन्च किया है। यह 109.7 सीसी सिंगल-सिलेंडर इंजन के साथ आता है, जिसमें फ्यूल इंजेक्टर का इस्तेमाल किया गया है। यह 7.47 पीएस की मैक्सिमम पावर और 8.4 एनएम का पीक टॉर्क जनरेट करता है।कॉस्मेटिक बदलावों में इसके फेंडर गार्निश में एक ब्लैक थीम, 3डी लोगो और मिरर हाइलाइट्स शामिल हैं। एक नया वाइजर भी है और हैंडलबार भी बिल्कुल नए हैं। इसमें डायमंड-कट अलॉय व्हील्स हैं और इनर पैनल्स को गहरे ग्रे कलर में फिनिश किया गया है। सीट अब प्रीमियम साबर लेदरेट में रखा गया है और पीछे की सीट को सपोर्ट के लिए बैकरेस्ट भी मिलता है।

जुपिटर क्लासिक को दो कलर ऑप्शन में बेचा जाएगा। इसमें मिस्टिक ग्रे और रीगल पर्पल शामिल है। फीचर्स के बात करें तो इसमें ऑल-इन-वन लॉक, इंजन किल स्विच और मोबाइल चार्जर करने के लिए एक यूएसबी चार्जर है। इंस्ट्रूमेंट क्लस्टर यह भी दिखाता है कि स्कूटर ईको मोड में चल रहा है या पावर मोड में। जुपिटर क्लासिक में एलईडी हेडलैंप, साइड स्टैंड इंडिकेटर, इलेक्ट्रिक स्टार्टर, लो फ्यूल वार्निंग, फ्रंट यूटिलिटी बॉक्स, 21 लीटर बूट स्पेस, रिट्रैक्टेबल हुक बैग्स और एक एक्सटर्नल फ्यूल फिलर है।जुपिटर क्लासिक में आगे और पीछे डिस्क ब्रेक देखने को मिल जाते हैं। इसमें ट्यूबलेस टायर भी मिलते हैं। सस्पेंशन ड्यूटी फ्रंट में टेलिस्कोपिक फोर्क्स और रियर में गैस-चार्ज शॉक एब्जॉर्बर दिया गया है, जिसे 3-स्टेप एडजस्टमेंट किया जा सकता है।

दैनिक पंचांग

26 सितम्बर 2022 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

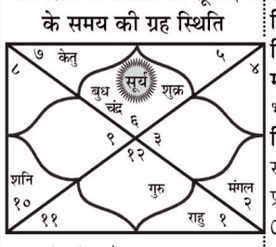

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य	कन्या में	तुला	07.26 बजे से
चंद्र	कन्या में	वृश्चिक	09.41 ब.से
मंगल	वृष में	धनु	11.57 बजे से
बुध	कन्या में	मकर	14.02 बजे से
गुरु	मीन में	कुंभ	15.49 बजे से
शुक्र	कन्या में	मीन	17.21 बजे से
शनि	मकर में	मेष	18.52 बजे से
राहु	मेष में	वृष	20.32 बजे से
केतु	तुला में	मिथुन	22.30 बजे से
राहुकाल		कर्क	00.44 बजे से
7.30 से 9.00 बजे तक		सिंह	03.00 बजे से
		कन्या	05.12 बजे से

सोमवार 2022 वर्ष का 269 वां दिन **दिशाशूल** पूर्व **ऋतु** शरद। **विक्रम संवत्** 2079 **शक संवत्** 1944 **मास** आश्विन (दक्षिण भारत में भाद्रपद) **पक्ष** कृष्ण **तिथि** प्रतिपदा 03.09 बजे रात्र को समाप्त। **नक्षत्र** उत्तराफाल्गुनी 05.55 बजे प्रात: को समाप्त। **योग** शुक्ल (शुक्र) 08.05 बजे को समाप्त। **करण** किस्तुघ्न 15.20 बजे तदनन्तर बव 03.09 बजे रात्र को समाप्त। **चन्द्रायु** 00.1 घण्टे **रवि क्रान्ति** दक्षिण 01° 09' **सूर्य** दक्षिणायन **कलि अहर्गण** 1871383 **जूलियन दिन** 2459848.5 **कलियुग संवत्** 5123 **कल्पारंभ संवत्** 1972949123 **सृष्टि ग्रहारंभ संवत्** 1955885123 **वीरनिर्वाण संवत्** 2548 **हिजरी सन्** 1444 **महीना** सफर **तारीख** 29 **विशेष** नवरात्रि प्रारंभ, महाराजा अग्रसेन जयंती।

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
अमृत	05.53 से	07.22 बजे तक	चर	05.43 से	07.14 बजे तक
काल	07.22 से	08.50 बजे तक	रोग	07.14 से	08.45 बजे तक
शुभ	08.50 से	10.19 बजे तक	काल	08.45 से	10.17 बजे तक
रोग	10.19 से	11.48 बजे तक	लाभ	10.17 से	11.48 बजे तक
उद्वेग	11.48 से	01.17 बजे तक	उद्वेग	11.48 से	01.19 बजे तक
चर	01.17 से	02.45 बजे तक	शुभ	01.19 से	02.51 बजे तक
लाभ	02.45 से	04.14 बजे तक	अमृत	02.51 से	04.2 बजे तक
अमृत	04.14 से	05.43 बजे तक	चर	04.22 से	05.53 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अत: आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। ■ Jagrutidaur.com, Bangalore

आज का राशिफल

शुभ संवत 2079, शाके 1944, सौम्य गोष्ठ, अश्वनि शुक्ल पक्ष, शरद ऋतु, गुरु उदय पूर्वे, शुक्रोदय पूर्वे तिथि, प्रतिपदा, सोमवासरे, उ.फा.नक्षत्रें, शुक्ल योगे, कितुघ्न करणे, कन्या की चंद्रमा, शारदीय नवरात्रि प्रारंभ, कलश स्थापना, ध्वजारोहण, दक्षिण दिशा की यात्रा शुभ होवेगी।

आज जन्म लिए बालक का फल..... .

आज जन्म लिया बालक योग्य, बुद्धिमान, चपल, चतुर, चंचल, स्वाभिमानी, उत्तम वृत्ति वाला, योगी-भोगी, कुशल वक्ता-अधिवक्ता, शासक-प्रशासक, कुशल व्यापारी, सोने-चांदी का व्यापारी होगा।

मेष राशि - अच्छे कार्य का लाभ प्राप्त होगा, जमीन-जायजाद से लाभ होगा, रुके कार्य परिश्रम से बनेंगे।

वृष राशि - आर्थिक स्थिति साधारण रहेगी, आकस्मिक हानि तथा खेद के साथ रहना पड़ेगा, तनाव से बचें।

मिथुन राशि - पारिवारिक सुखमय आनंद की प्राप्ति होगी, धार्मिक पुण्य कार्यों में प्रवृत रहेंगे, शुभ कार्य होंगे।

कर्क राशि - देश में सम्मान बढ़ेगा, कार्य की प्राप्ति होगी, राजनेता तथा संतान योग बनेंगे, समय का लाभ लें।

सिंह राशि - मानसिक कष्ट होगा, शत्रु कार्य में बाधा डालेंगे, आलस्य की स्थिति बनेगी, कार्य पर ध्यान दें।

कन्या राशि - शारीरिक कष्टों से छुटकारा मिलेगा, पद-प्रतिष्ठा का लाभ मिलेगा किन्तु मानसिक अवरोध होगा।

तुला राशि - परीक्षा के लिये दूर की यात्रा होगी, कार्य सफलता पूर्वक होंगे, रुके कार्य ध्यान देने से बनेंगे।

वृश्चिक राशि - यश में सुधार होगा, व्यक्तिव में निखार आयेगा तथा उद्योग-धंधा बढ़ेगा, परिश्रम से लाभ होगा।

धनु राशि - समस्याओं का समाधान होगा, आर्थिक स्थिति में सुधार होगा, प्रतिष्ठा बढ़ेगी ध्यान अवश्य दें।

मकर राशि - मानसिक कष्ट से हानि होगी, परिवार में अनबन होगी, कार्य में खर्च अधिक होगा, सावधानी रहें।

कुंभ राशि - पत्नी से संबंध ठीक नहीं रहेंगे, धंधे में परेशानी का सामना करना पड़ेगा, कार्य का चिन्तन होगा।

मीन राशि - सुधार तथा स्वास्थ्य की खराबी होगी तथा धन व्यय अधिक होगा, धन व्यय पर नियंत्रण रखें।

DELHI CRIME 26 sep 2022:Layout 1 9/25/2022 9:12 AM Page 6

प्रधानमंत्री ने राष्ट्रीय खेलों को बताया खास

-खिलाड़ियों को बेहतर प्रदर्शन के लिए शुभकामनाएं दीं

नई दिल्ली (ईएमएस)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुजरात में इसी माह 27 सितंबर से शुरू होने वाले राष्ट्रीय खेलों को खास बताते हुए कहा कि वह खिलाड़ियों का उत्साह बढ़ाने के लिए इस दौरान उपस्थित रहेंगे। प्रधानमंत्री ने कहा, गुजरात में राष्ट्रीय खेलों का आयोजन एक बड़ा ही खास अवसर है, क्योंकि यह कई साल बाद हो रहा है। कोरोना संक्रमण के कारण पिछले दो साल से ये खेल नहीं हो पाये थे। प्रधानमंत्री ने इस प्रतियोगिता में भाग लेने वाले सभी खिलाड़ियों को बेहतर प्रदर्शन के लिए शुभकामनाएं देते हुए कहा, इस दिन आपका उत्साह बढ़ाने के लिए मैं भी स्टेडियम में उपस्थित रहूंगा। 36वें राष्ट्रीय खेल 27 सितंबर से 10 अक्टूबर तक गुजरात में होंगे। इन खेलों का आयोजन छह शहरों-गांधीनगर, अहमदाबाद, सूरत, वडोदरा, राजकोट और भावनगर में किया जाएगा। राष्ट्रीय खेलों के दौरान 36 खेलों की स्पधाओं का आयोजन होगा, जिनमें 28 राज्यों और आठ केंद्र-शासित प्रदेशों के प्रतियोगी भाग लेंगे। इस बार रोलर स्केटिंग, सॉफ्टबॉल और सॉफ्ट टेनिस को भी राष्ट्रीय खेलों में शामिल किया गया है जबकि बीच हैंडबॉल, बीच वॉलीबॉल और नौकायन को आयोजन से बाहर कर दिया गया है। दूसरी ओर योगासन और मलखंब को पहली बार इन खेलों में शामिल किया गया है। वहीं साल 2015 में राष्ट्रीय खेलों का आयोजन केरल में हुआ था। इसमें 33 खेलों की स्पधाओं का आयोजन किया गया था। इसके बाद कई अन्य कारणों ये खेल नहीं हो पाये थे।

बीसीसीआई ने झूलन गोस्वामी को शानदार करियर के लिए दी बधाई

नई दिल्ली, (हि.स.)। भारतीय महिला क्रिकेट टीम की स्टार तेज गेंदबाज झूलन गोस्वामी को उनके शानदार अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट करियर के लिए भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने बधाई दी है। 39 वर्षीय झूलन गोस्वामी ने अपना आखिरी अंतरराष्ट्रीय मैच इंग्लैंड के खिलाफ खेला। लॉर्ड्स क्रिकेट ग्राउंड पर खेले गए इस मैच में भारतीय टीम ने जीत दर्ज करके उन्हें यादगार विदाई दी। इसी के साथ भारतीय टीम ने तीन एकदिवसीय मैचों की सीरीज में इंग्लैंड का 3-0 से क्लीन स्वीप कर दिया। झूलन गोस्वामी के अंतरराष्ट्रीय करियर का अंतिम मैच खत्म होते ही लोग उन्हें बधाई दे रहे हैं। इसी क-ड़ी में बीसीसीआई ने भी उन्हें बधाई दी है। बीसीसीआई अध्यक्ष सौरव गांगुली ने बधाई देते हुए अपने बयान में कहा कि झूलन के अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास की घोषणा के साथ एक युग का अंत हो गया है। उन्होंने गर्व के साथ देश का प्रतिनिधित्व किया। उन्होंने भारतीय क्रिकेट की विशिष्ट सेवा की। वह भारत के गेंदबाजी आक्रमण की लीडर थीं और आने वाली खिलाड़ियों को उनसे प्रेरणा मिलती रहेगी। खेल में उनका योगदान यादगार रहा। मैदान पर जहां उनकी प्रेरणादायी उपस्थिति की कमी खलेगी, उनकी उपलब्धियां आने वाले खिलाड़ियों को प्रेरणा देने का काम करती रहेंगी। बीसीसीआई सचिव जय शाह ने कहा कि झूलन गोस्वामी इस खेल को खेलने वाली महान खिलाड़ियों में एक हैं। उन्होंने अपने असाधारण गेंदबाजी कौशल के साथ, कई वर्षों तक भारत के गेंदबाजी आक्रमण का नेतृत्व किया और यह आने वाले युवा क्रिकेटरों के लिए एक बेंचमार्क बना रहेगा।

जो उच्चतम स्तर पर देश का प्रतिनिधित्व करना चाहते हैं। जैसे कि अब वह एक नई यात्रा शुरू कर रही है, मैं उन्हें शुभकामनाएं देता हूं। अपने शानदार करियर में झूलन गोस्वामी ने महिला क्रिकेट टीम को कई यादगार पल दिए हैं। उन्होंने अपने करियर में 12 टेस्ट मैच, 204 एकदिवसीय और 68 टी-20 अंतरराष्ट्रीय मैचों में भारत का प्रतिनिधित्व किया। इस दौरान उन्होंने टेस्ट में 44, एकदिवसीय में 255 तथा टी-20 में 56 विकेट अपने नाम किए।

मंजीत नार्थ चैनल पार करने वाले पहले पहले एशियाई पैरा खिलाड़ी बने

नई दिल्ली (ईएमएस)। दिव्यांग तैराक मंजीत ने नार्थ चैनल पार कर एक बड़ी उपलब्धि हासिल की है। हरियाण के झज्जर में रहने वाले इस खिलाड़ी ने अपनी टीम के साथ 14 घंटे 39 मिनट में ही 36 किलोमीटर लंबे नॉर्थ चैनल को पार कर सबको हैरान कर दिया। मंजीत की टीम में कुल 6 खिलाड़ियों में से 3 दिव्यांग हैं। इस प्रकार मंजीत नार्थ चैनल पार करने पहले भारतीय और एशियाई पैरा खिलाड़ी बने हैं। उत्तरी आयरलैंड से स्काटलैंड के पोर्ट पैट्रिक तक आयोजित इस रिले रेस के लिए देश के 6 खिलाड़ियों का चयन हुआ था। इन खिलाड़ियों में हरियाणा के मंजीत कादियान, मध्यप्रदेश के सत्येंद्र लोहिया, पश्चिम बंगाल से रिमो साहा, नागपुर से जयंत कुमार और असम से एल्विश और तमिलनाडु के स्नेहन शामिल थे। इन खिलाड़ियों में मंजीत सहित कुल तीन दिव्यांग खिलाड़ी भी थे। गौरतलब है कि एशिया के किसी भी दिव्यांग तैराक ने अब तक 36 किलोमीटर तैराकी का रिकॉर्ड नहीं बनाया था पर इस बार मंजीत सिंह सहित सभी खिलाड़ियों ने रिले में रिकार्ड बनाकर एक अहम उपलब्धि हासिल की है। इससे पहले मंजीत ने पांच अन्य पैरा तैराकों के साथ 9 घंटे 8 मिनट 39 सेकेंड में अरब सागर में 40 किलोमीटर तैरकर रिकॉर्ड बनाया था।

झूलन ने कठिन समय में साथ दिया : हरमनप्रीत

लंदन (ईएमएस)। भारतीय महिला क्रिकेट टीम की कप्तान हरमनप्रीत कौर ने अनुभवी तेज गेंदबाज झूलन गोस्वामी की जमकर प्रशंसा करते हुए कहा है कि उन्होंने कठिन समय में भी मेरा साथ दिया था। झूलन के खेल से संन्यास पर हरमनप्रीत ने यह बातें कहीं। भारतीय कप्तान ने इस अवसर पर कहा, जब मैंने पदार्पण किया, तब झूलन एक बड़ी खिलाड़ी थीं। मेरे अच्छे दौर में कई लोग साथ थे पर कठिन समय में वही एकमात्र खिलाड़ी थीं, जिन्होंने हमेशा मेरा साथ दिया। भारतीय कप्तान ने साथ ही कहा, मैं बस उन्हें धन्यवाद देना चाहती हूं। वह हमेशा हमारे लिए रहेंगी। हम भाग्यशाली हैं कि हमें उसके साथ खेलने का अवसर मिला है। वह मेरे लिए बेहद विशेष इंसान हैं। मैच में कम समय के दौरान मैं हमेशा बात करती थी कि क्या करना है और वह हमेशा मेरा मार्गदर्शन करती थीं। झूलन ने अपने करियर के दौरान भारतीय टीम के मुख्य तेज गेंदबाज की भूमिका निभाई है।

मुझे दबाव की परिस्थितियों में भी बड़े शॉट खेलने में मदद मिलती : दिनेश कार्तिक

नई दिल्ली (ईएमएस)। भारतीय क्रिकेट टीम में फिनिशर की भूमिका निभा रहे दिनेश कार्तिक ने कहा कि वह बहुत अधिक अभ्यास नहीं करते लेकिन कुछ विशेष चीजों पर ध्यान देते हैं। कार्तिक ने अनुसार ऐसा करने से उन्हें बेहद दबाव की परिस्थितियों में भी बड़े शॉट खेलने में मदद मिलती है। कार्तिक से जब तैयारियों के बारे में पूछा गया, तब उन्होंने कहा कि नेट अभ्यास में इस तरह की परिस्थितियां तैयार करने से उन्हें मदद मिलती है। उन्होंने कहा, मैं लंबे समय से इस-का अभ्यास कर रहा हूं। मैंने रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर के लिए ऐसा किया और अब भारतीय टीम के लिए कर रहा हूं। कार्तिक ने कहा, मैं इस तरह की परिस्थितियां तैयार करके अभ्यास करता हूं और राहुल द्रविड़ व विक्रम राठौड़ भाई भी इसमें मेरी मदद करते हैं। कार्तिक ने कहा, मैं बहुत अधिक अभ्यास नहीं करता लेकिन जहां तक संभव हो सके कुछ खास चीजों पर ध्यान देता हूं। मोहाली में पहले मैच में कार्तिक को अक्षर पटेल के बाद बल्लेबाजी के लिए भेजा गया लेकिन दूसरे मैच में उन्हें बाएं हाथ के स्पिन ऑलराउंडर से पहले उतारा गया। कार्तिक ने कहा, यह ऐसा है जिसको हम आजमा रहे हैं। कुछ अवसरों पर कुछ ओवर बचे होते हैं, जिसमें अक्षर स्पिनरों पर हावी होकर खेल सकता है। इसके पीछे तर्क है उस चरण में बाएं हाथ के बल्लेबाज और लेग स्पिनर का अच्छा मुकाबला होगा, इसलिए कुछ अवसरों पर हम यह विकल्प आजमाते हैं।

दीप्ति के चार्ली को रन आउट करने के तरीक पर हुआ विवाद

लंदन (ईएमएस)। इंग्लैंड के खिलाफ यहां लॉर्ड्स मैदान में हुए तीसरे और अंतिम एकदिवसीय क्रिकेट मैच में भारतीय टीम टीम की दीप्ति शर्मा ने जिस प्रकार स्ट्रा-इकर एंड पर गेंद फेंककर मेजबान टीम की चार्ली डीन को आउट किया उससे मैदान में विवाद भी हुआ। आउट करार दिये जाते ही चार्ली ने गुस्से में अपना बल्ला फेंक दिया और रोने लगी। चार्ली जब आउट हुई तो वह 47 रनों पर खेल रहीं थीं। दीप्ति के इस रन आउट करने के तरीके को लेकर अलग-अलग तरह की प्रतिक्रियाएं मिली हैं। कुछ लोगों ने इसे खेल भावना के विपरीत बताया है जबकि कुछ ने सही करार दिया है। पहले इस तरह के रन आउट को ठीक नहीं माना जाता था पर मार्च में मेरिलबोन क्रिकेट क्लब ने इसे अनफेयर कैटेगेरी से निकालकर रन आउट में डाल दिया और हाल के दिनों में आ-इसीसी ने भी इसे सही करार देकर है। यह नियम यह 1 अक्टूबर से लागू भी कर दिया जाएगा। इसलिए दीप्ति के इस रन आउट करने के तरीके का पूर्व भारतीय क्रिकेटरों आकाश चोपड़ा और वसीम जाफर ने भी बचाव किया है। चार्ली के आउट होते हुए भारतीय टीम ने यह मैच जीतने के साथ ही सीरीज भी अपने नाम कर ली। इस विवाद से भारतीय टीम की अनुभवी तेज गेंदबाज झूलन गोस्वामी के विदायी मैच में भी अनावश्यक विवाद पैदा हो गया। झूलन ने अपने इस विदायी मैच में 10 ओवर गेंदबाजी करते हुए 30 रन देकर दो विकेट लिए। इस के साथ ही उनके कुल एकदिवसीय विकेटों की संख्या 255 तक पहुंच गयी।

महिला टी20 विश्व कप के लिए जिम्बाब्वे और थाईलैंड सहित दस टीमें को मिला प्रवेश

अबू धाबी (ईएमएस)। बांग्लादेश और आयरलैंड ने अगले साल दक्षिण अफ्रीका में होने वाले महिला टी20 विश्व कप 2023 के लिए अपनी जगह पक्की कर ली है। इन दोनो ही टीमों ने अबू धाबी में खेले गए क्वालीफार में जिम्बाब्वे और थाईलैंड को हराकर विश्वकप के लिए जगह बनायी। इसी के साथ ही उन 10 टीमों के नाम अब तय हो गये हैं। जो अगले साल विश्वकप के इस आठवे संस्करण में शामिल होंगी। मौजूदा चैम्पियन ऑस्ट्रेलिया और मेजबान दक्षिण अफ्रीका के साथ ही भारत, इंग्लैंड, न्यूजीलैंड, पाकिस्तान, श्रीलंका और वेस्टइंडीज सहित कुल 8 टीमों ने इस टूर्नामेंट के लिए रैंकिंग के आधार पर पहले ही प्रवेश हासिल कर लिया था जबकि आयरलैंड और बांग्लादेश ने अब अपनी जगह पक्की की है। साल 2020 में अंतिम बार टी20 विश्व कप ऑस्ट्रेलिया में खेला गया था। इसके बाद कोरोना संक्रमण के कारण पिछले दो साल यह टूर्नामेंट नहीं हुआ था।

अब 9 की जगह 5 अक्टूबर को ऑस्ट्रेलिया जाएगी भारतीय टीम, कंडीशनिंग के लिए खेलेगी अभ्यास मैच

नई दिल्ली (ईएमएस)। हिटमैन रोहित शर्मा की अगुआई वाली टीम इंडिया की नजरें टी20 वर्ल्ड कप पर लग गई हैं। भारतीय टीम अपनी तैयारियों में किसी तरह की कमी नहीं छोड़ना चाहती। टी20 वर्ल्डकप टूनामेंट से पहले टीम इंडिया अपनी कमजोरियों और ऑस्ट्रेलिया की कंडीशंस में ढलने के लिए खास तैयारी करने की योजना बनाई है। इसके लिए भारतीय टीम ने ऑस्ट्रेलिया में पर्थ को अपना बेस बनाने का निर्णय लिया है। बीसीसीआई ने भी इसके लिए हरी झंडी दे दी है। पर्थ को बेस बनाने की सबसे बड़ी वजह वहां के विकेटों में अतिरिक्त उछाल का होना है। टी20 विश्व कप से पहले भारतीय बल्लेबाज यहां प्रैक्टिस कर उछाल और अतिरिक्त गति से तालमेल बिठा लेना चाहते हैं। ताकि विश्व कप में उन्हें तेज रफ्तार गेंदों को खेलने में कोई दिक्कत न हो। जानकारी के मुताबिक, टीम इंडिया पर्थ में 2 हफ्ते तक अभ्यास करेगी और विश्व कप के वार्म अप मैच से पहले इंट्रा स्क्वॉड मुकाबले खेलेगी। बीसीसीआई अध्यक्ष सौरव गांगुली ने कहा कि भारतीय टीम वर्ल्ड कप के लिए दो या ढाई हफ्ते पहले ऑस्ट्रेलिया पहुंच जाएगी। टीम पर्थ में ट्रेनिंग और प्रैक्टिस करेगी। इतना ही नहीं, वहां कुछ प्रैक्टिस मैच भी खेले जाएंगे। टीम इंडिया पहले 9 अक्टूबर को ऑस्ट्रेलिया के लिए रवाना होने वाली थी, लेकिन कोच राहुल द्रविड़ ने बीसीसीआई से टीम के लिए अतिरिक्त प्रैक्टिस मैच कराने की व्यवस्था करने का अनुरोध किया था। इसे बीसीसीआई ने स्वीकार करते हुए टीम को कुछ दिन पहले ऑस्ट्रेलिया भेजने का फैसला किया है। बीसीसीआई के एक अधिकारी ने बताया कि हम कुछ टीमों के साथ बातचीत कर रहे हैं, जो आईसीसी द्वारा रखे गए वॉर्म अप मैच के अलावा हमारे साथ प्रैक्टिस मैच खेल सकें।

नीदरलैंड में पूल डी वॉलीबाल मैच के पहले चरण में चेक गणराज्य की इला गेंद पर पहुंचने का प्रयास करती हुई। (फोटो-ईएमएस)

गेंदबाज पर हावी होने की कला जानते हैं ऋषभ पंत, उन्हें मिलनी चाहिए टीम इंडिया में जगह : गिलक्रिस्ट

दुबई (ईएमएस)। ऑस्ट्रेलिया के अपने जमाने के दिग्गज विकेटकीपर बल्लेबाज एडम गिलक्रिस्ट का मानना है कि किसी भी गेंदबाज पर हावी होने की अपनी हिम्मत के कारण ऋषभ पंत को आगामी टी20 विश्व कप में भारत की शुरूआती ग्यारह खिला-ड़ियों में अवश्य शामिल किया जाना चाहिए। पंत की खासियत है कि वह किसी भी गेंदबाज के दबाव में नहीं आते। पिछले कुछ समय से यह चर्चा का विषय है कि ऋषभ पंत और दिनेश कार्तिक में से किसे अंतिम एकादश में स्थान मिलना चाहिए, इस पर गिलक्रिस्ट ने बाएं हाथ के विकेटकीपर बल्लेबाज पंत का समर्थन किया। गिलक्रिस्ट ने कहा ऋषभ पंत साहसी खिलाड़ी है और जिस तरह से वह किसी भी तरह के गेंदबाजी आक्रमण पर हावी हो जाते हैं, उसे देखते हुए मुझे लगता है कि उन्हें भारतीय एकादश में शामिल किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा वे दोनों (ऋषभ और कार्तिक) साथ में खेल सकते हैं, लेकिन मेरा मानना है कि ऋषभ पंत को निश्चित तौर पर अंतिम एकादश में होना चाहिए। भारत ने पंत और कार्तिक दोनों को ऑस्ट्रेलिया में होने वाले टी20 विश्वकप के लिए 15 सदस्यीय टीम में शामिल किया है। पंत हालांकि सबसे छोटे प्रारूप में निरंतर अच्छा प्रदर्शन करने में नाकाम रहे हैं, जो कि अंतिम एकादश का चयन करते समय उनके खिलाफ जा सकता है। पंत ने अब तक 58 टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों में 23.94 की औसत और 126.21 के स्ट्रा-इक रेट से 934 रन बनाए हैं लेकिन वह इस प्रारूप में टेस्ट कि-केट जैसी सफलता हासिल नहीं कर पाए हैं। दूसरी तरफ कार्तिक ने पिछले कुछ समय से खुद को फिनिशर के रूप में स्थापित किया है, लेकिन पूर्व कप्तान रिकी पोंटिंग की तरह गिलक्रिस्ट का भी मानना है कि इन दोनों विकेटकीपर बल्लेबाजों को अंतिम एकादश में रखा जा सकता है। गिलक्रिस्ट ने कहा अगर उन दोनों को अंतिम एकादश में रखा जाता है तो यह दिलचस्प होगा। मुझे लगता है कि वह ऐसा कर सकते हैं। दिनेश कार्तिक शीर्ष क्रम में भी खेल सकते हैं। उन्हें मध्यक्रम और बाद के ओवरों में भी उपयोग में लाया जा सकता है। उनका खेल वास्तव में बहुत अच्छा है।

DELHI CRIME 26 sep 2022:Layout 1 9/25/2022 9:12 AM Page 7

पं. दीनदयाल उपाध्याय की जयंती पर मुख्यमंत्री योगी ने किसानों को बांटे बीज व कृषि यंत्र

-मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा, पं. दीनदयाल के सपनों को साकार कर रही डबल इंजन की सरकार

लखनऊ। पं. दीनदयाल उपाध्याय की जयंती के अवसर पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने किसानों को उन्नतशील बीज वितरित किये। इसके साथ ही अनुदान पर दिये जाने वाले 21 ट्रैक्टरों की चाभी किसानों को दी। मुख्यमंत्री आवास पर आयोजित कार्यक्रम में कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही भी उपस्थित थे। बीज वितरित करने से पूर्व योगी आदित्यनाथ ने पंडित दीनदयाल उपाध्याय स्मृतिका पर पुष्पार्जलि अर्पित की। मुख्यमंत्री ने कहा आज पंडित दीन दयाल उपाध्याय की जयंती पूरे देश में मनाई जा रही है। मुख्यमंत्री ने कहा दीनदयाल उपाध्याय का स्पष्ट कहना था कि प्रगति का पथ समाज के अंतिम पायदान में खड़े व्यक्ति को साथ लेकर हो सकती है। इस काम को पूरा करने में भाजपा की सरकार लगी हुई है। यहां हर योजना का लाभ अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति को पहुंचाने के लिए केन्द्र व प्रदेश की सरकार काम कर रही है। योगी ने कहा कि मुझे प्रसन्नता है कि डबल इंजन की सरकार संवेदनशीलता की कसौटी पर खरी उतरी है। संवेदनशीलता की पहचान संकट के समय होती है। कोरोना महामारी के समय इसकी परीक्षा हुई और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने उस आपदा में पूरे विश्व को राह दिखायी। सबको टीका, फ्री में टीका लगवाने का काम नरेन्द्र मोदी ने किया। यह अकेला भारत ही है, जहां पर यह सब कुछ हो रहा था। हर व्यक्ति के साथ सरकार खड़ी थी। पहली बार जब केंद्र में बीजेपी की सरकार बनी तो गरीब के घर-घर राशन पहुंचाने की शुरूआत हुई। सबका साथ सबका विकास का नारा नरेंद्र मोदी ने दिया। आजादी के बाद पहली बार साढ़े चार करोड़ बिजली दस करोड़ शौचालय मिल सके। अस्सी करोड से ज्यादा लोगों को राशन वितरण किया गया। उन्होंने कहा कि कोरोना काल में हमारे अधिकारी व कर्मचारियों ने अभूतपूर्व कार्य किये। हर गरीब तक राशन पहुंचाने का काम किया।

जब सभी लोग घर में बैठे थे तो कर्मचारी, अधिकारियों के साथ भाजपा के कार्यकर्ता घर-घर जाकर हर व्यक्ति की चिंता कर रहे थे। हमारा कृषक अपने काम में शिथिलता नहीं आने दी। इतने बड़े संकट के बावजूद कोई भुखमरी से मौत नहीं हुई। हम लोगों ने किसानों की आय दोगुना करने के लिए कई कदम उठाये हैं। पहली बार यूपी में बिजली का बिल आधा किया गया है। सौर ऊर्जा आधारित सोलर पंप लगाये जा रहे हैं। किसानों के लिए इस मौसम में भगवान की कृपा गड़बड़ाने पर सर्वे कराया जा रहा है। सब्जी आदि के बीज किसानों को उपलब्ध कराये जा रहे हैं।

सितम्बर में सामान्य से सैंतीस मिमी अधिक हो चुकी बारिश

-28 अगस्त से पूर्व 47 मिमी कम हुई बारिश, अब घटकर हो गयी 37.5 मिमी

लखनऊ, (हि.स.)। पहले सूखा, फिर बारिश, अब चारों तरफ परेशानी का कारण बनता जा रहा है। बरसात सूखे की भरपाई कर रही है। स्थिति यह है कि प्रदेश में 28 अगस्त के बाद सामान्य से 37.5 मिमी अधिक बारिश हुई है। वहीं शनिवार को भी प्रदेश में 12.9 मिमी बारिश हुई, जो कि 4.3 से तीन गुना अधिक बारिश हुई। मौसम विभाग से मिली जानकारी के अनुसार शनिवार को प्रदेश में 12.9 मिमी बारिश हुई है, जबकि इस दिन पूरे प्रदेश की सामान्य औसत वर्षा 4.3 मिमी है अर्थात सामान्य से 8.6 मिमी अधिक बरसात हुई। वहीं रविवार को भी अधिकांश जिलों में सुबह से बारिश हो रही है। जून से अब तक के बारिश का भी कम बारिश का प्रतिशत घट रहा है। अब यह 30 प्रतिशत कम बारिश पर पहुंच गया है, जबकि 28 अगस्त तक 47 प्रतिशत कम बारिश हुई थी। वर्तमान में पूरे प्रदेश की औसत बरसात 730.4 मिमी है, जबकि अबतक 512.5 मिमी बारिश हो चुकी है। वहीं 28 अगस्त तक प्रदेश की औसत सामान्य बारिश 577.3 मिमी होनी चाहिए थी, जबकि उस समय तक 321.9 मिमी बारिश हुई थी। 28 अगस्त से 24 सितम्बर तक प्रदेश में सामान्य ढंग से 153.1 मिमी बारिश होनी चाहिए, जबकि इस अवधि में 190.6 मिमी बारिश हुई है अर्थात 37.5 मिमी बारिश अधिक हो चुकी है। वहीं प्रदेश के जिलों में बारिश की स्थिति को देखा जाय तो सर्वाधिक श्रावस्ती में 57.8 मिमी बारिश हुई। वहीं खिरी में 51.6 मिमी, बहराइच में 43.6 मिमी, चित्रकूट में 39 मिमी, बागपत में 38.3 मिमी बारिश हुई है। वहीं बस्ती, महाराजगंज, मिजार्पुर, सोनभद्र, महोबा, मैनपुरी में बारिश नहीं हुई।

पश्चिम बंगाल में कुर्मी समुदाय का विरोध प्रदर्शन

- दक्षिण पूर्व रेलवे के कुछ डिवीजन में ट्रेन सेवाएं प्रभावित हुई

कोलकाता (ईएमएस)। पश्चिम बंगाल के कुछ जिलों में कुर्मी समुदाय के सदस्यों द्वारा अनुसूचित जनजाति (एसटी) दर्जे की मांग को लेकर किए जा रहे आंदोलन के लगातार पांचवें दिन विरोध प्रदर्शन जारी रहा। इस दौरान, प्रदर्शनकारियों ने रेलवे लाइन और राष्ट्रीय राजमार्ग-6 के एक हिस्से को अवरुद्ध कर दिया। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। उन्होंने कहा कि दक्षिण पूर्व रेलवे (एसईआर) के कुछ डिवीजन में ट्रेन सेवाएं प्रभावित हुईं क्योंकि आंदोलनकारी रेलवे लाइन पर बैठ गए, जिससे कई ट्रेन रद्द कर दी गई, कुछ की गंतव्य से पहले सेवा समाप्त कर दी गई और अन्य को दूसरे मार्ग से रवाना किया गया। प्रदर्शनकारियों ने पश्चिम मेदिनीपुर जिले के खेमासुली में राष्ट्रीय राजमार्ग-6 के एक हिस्से को भी अवरुद्ध कर दिया, जिससे सैकड़ों ट्रक और बसें फंस गईं और लंबे समय तक यातायात बाधित रहा। मेदिनीपुर, झारग्राम और पुरुलिया के जिला प्रशासन ने कुर्मी समुदाय के नेताओं के साथ बैठक कर उन्हें आंदोलन वापस लेने के लिए मनाने की कोशिश की, लेकिन बातचीत का कोई नतीजा नहीं निकला। इस बीच, पुरुलिया प्रशासन के सूत्रों ने दावा किया कि बातचीत के बाद जिले में विरोध प्रदर्शन वापस ले लिया गया, लेकिन समुदाय के लोगों ने पश्चिम मेदिनीपुर और झारग्राम में अपना आंदोलन जारी रखा है। कुर्मी समाज की राज्य कार्यसमिति के सदस्य तापस महतो ने कहा कि पश्चिम मेदिनीपुर में खेमासुली स्टेशन पर रेल नाकेबंदी अभी भी जारी है और राष्ट्रीय राजमार्ग-6 पर भी प्रदर्शन किया जा रहा है। हालांकि, महतो ने कहा कि झारग्राम के लोधासुली में राज्य राजमार्ग -5 पर सड़क की नाकेबंदी को बाद में हटा लिया गया। कुर्मी समुदाय ने अनुसूचित जनजाति का दर्जा और कुरमाली को संविधान की आठवीं अनुसूची में शामिल करने की मांग को लेकर मंगलवार सुबह चार बजे पश्चिम बंगाल, ओडिशा और झारखंड के विभिन्न रेलवे स्टेशन पर प्रदर्शन शुरू किया था।

आरजेडी राष्ट्रीय अध्यक्ष चुनाव का नोटिफिकेशन जारी लालू यादव 28 सितंबर को करेंगे नामांकन

नई दिल्ली (ईएमएस)। राष्ट्रीय जनता दल (आरजेडी) के अध्यक्ष चुनाव का नोटिफिकेशन जारी हो गया है। मौजूदा आरजेडी सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव 28 सितंबर को राष्ट्रीय अध्यक्ष पद के लिए अपना नामांकन करेंगे। इसी दिन से राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं राष्ट्रीय कार्यकारिणी के सदस्य पद के लिए नामांकन की प्रक्रिया शुरू होगी। 28 सितंबर को ही शाम 5 बजे वैध पाए गए उम्मीदवारों की सूची जारी कर दी जाएगी। लालू यादव के फिर से आरजेडी अध्यक्ष पद पर निर्विरोध निर्वाचित होने की पूरी संभावना है। 10 अक्टूबर को लालू प्रसाद के राष्ट्रीय अध्यक्ष बनने की विधिवत घोषणा की जाएगी। इसके पहले 9 अक्टूबर को नई दिल्ली स्थित एनडीएमसी के कन्वेंशन सेंटर में निवर्तमान राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक होगी, जिसमें राष्ट्रीय परिषद की बैठक एवं पार्टी के खुले अधिवेशन में रखे जाने वाले प्रस्तावों पर चर्चा की जाएगी। अगले दिन 10 अक्टूबर को नई दिल्ली के तालकटोरा स्टेडियम में राष्ट्रीय परिषद की बैठक में राष्ट्रीय अध्यक्ष व राष्ट्रीय कार्यकारिणी के

सदस्यों का चुनाव होगा। नवनिर्वाचित राष्ट्रीय अध्यक्ष को प्रमाण पत्र दिया जाएगा। पार्टी के राष्ट्रीय मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी उदय नारायण चौधरी ने पार्टी के संगठनात्मक चुनाव सत्र 2022-2025 के लिए राष्ट्रीय अध्यक्ष के निर्वाचन सम्बन्धी कार्यक्रम की घोषणा कर की। यह जानकारी देते हुए राजद के सहायक राष्ट्रीय मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी चित्तरंजन गगन ने दी। इससे पहले आरजेडी के प्रदेश अध्यक्ष का चुनाव हुआ था। जगदानंद सिंह फिर से राष्ट्रीय जनता दल बिहार के अध्यक्ष निर्वाचित हुए। आरजेडी सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव के कहने पर उन्होंने दोबारा चुनाव लड़ने का फैसला लिया था। उनके खिलाफ किसी और कैंडिडेट में नामांकन नहीं किया। बुधवार को उन्हें आरजेडी प्रदेश अध्यक्ष के पद पर वे निर्विरोध निर्वाचित किया गया।

जनता दरबार पर सवाल उठाना संजय जायसवाल की जनता विरोधी मानसिकता का परिचायक : अभिषेक

पटना। जदयू प्रवक्ता अभिषेक झा ने कहा कि जब से बिहार में भाजपा सत्ता से बेदखल हुई है तब से भाजपा प्रदेश अध्यक्ष संजय जायसवाल कुछ भी बयान दे देते हैं। जनता दरबार के विरुद्ध बोलकर उन्होंने अपनी जनता विरोधी मानसिकता को दर्शाया है। उन्होंने आज यहां कहा कि जनता दरबार पर सवाल उठाने से पहले संजय जायसवाल को यह ज्ञात होना चाहिए कि देश के स्तर पर जनता दरबार का मॉडल पहली बार मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने स्थापित किया। जनता से सीधा संवाद किया। उनकी समस्याएं सुनीं और उनका निराकरण किया। यही कारण है कि नीतीश कुमार जनता के बीच इतने लोकप्रिय हैं और इतने लंबे समय से मुख्यमंत्री हैं। इस बात से भी भाजपा के नेताओं के पेट में दर्द होता है। अभिषेक झा ने कहा है भाजपा के लोगों के लिए यह खुली चुनौती है कि वे लोग अपने एक भी मुख्यमंत्री का नाम बताएं जो हमारे मुख्यमंत्री से प्रतिस्पर्धा कर सकते हो। संजय जायसवाल डर की और जंगलराज की बात करते हैं। उनको अपना समय याद करना चाहिए जब भाजपा से टिकट नहीं मिला और वे राजद में चले गए। प्रखंड अध्यक्ष रहे और राजद के टिकट पर चुनाव लड़े।

करीब 5000 वोट लाकर अपनी जमानत तक नहीं बचा पाए। अपने इतिहास को भले यह भूल जाए लेकिन बिहार की जनता इनके असली चेहरे को पहचानती है।

रॉबर्ट वाड्रा को बड़ी राहत कोर्ट ने यात्रा शर्तों के उल्लंघन मामले में नोटिस को वापस लिया

नई दिल्ली (ईएमएस)। दिल्ली की एक अदालत ने दुबई के जरिए ब्रिटेन की यात्रा करते हुए शर्तों का कथित तौर पर उल्लंघन के लिए प्रियंका गाधी के पति रॉबर्ट वाड्रा को जारी कारण बताओ नोटिस शनिवार को वापस ले लिया, लेकिन उन्हें भविष्य में सतर्क रहने की चेतावनी दी। इससे पहले अदालत ने 20 सितंबर को उनका यह बयान स्वीकार करने से इनकार कर दिया था कि उन्हें संयुक्त अरब अमीरात से होकर ब्रिटेन की यात्रा करते हुए चिकित्सा अनिवार्यता के कारण दुबई में रहने के लिए विवश होना पड़ा था। अदालत ने उन्हें कारण बताओ नोटिस जारी करते हुए पूछा था कि उनकी 25 लाख रुपए की सावधि जमा (एफडी) जब्त क्यों न कर ली जाए। विशेष न्यायाधीश नीलोफर आबिदा परवीन ने कहा, 'हलफनामे में कही बातों से मैं संतुष्ट हूं कि जानबूझकर यह नहीं किया गया, स्पष्टीकरण बाद में सोच-विचारकर नहीं दिया गया और याचिकाकर्ता के आचरण में नेकनीयती की कमी नहीं है।' विशेष न्यायाधीश ने कारण बताओ नोटिस वापस लेते हुए कहा कि वाड्रा ने 'गलती के लिए बिना शर्त माफी मांगी है, जिसे स्वीकार कर लिया गया है और याचिकाकर्ता को भविष्य में सतर्क रहने की चेतावनी दी गयी है।' इसके साथ ही अदालत ने एफडी जारी करने का आदेश दिया। अदालत ने कहा कि वाड्रा ने अपनी स्थिति के संबंध में मेडिकल रिकॉर्ड दिखाए थे, जिसके कारण उन्हें लंबी यात्रा न करने की सलाह दी गई थी और उनकी चिकित्सा सहायता के लिए दुबई में जारी चिकित्सा प्रमाणपत्र रिकॉर्ड में है। उसने कहा कि वाड्रा पहले भी दुबई की और दुबई में रुककर आगे की यात्रा कर चुके हैं। अदालत ने 12 अगस्त को वाड्रा को चार हफ्तों के लिए संयुक्त अरब अमीरात, स्पेन और इटली होकर ब्रिटेन की यात्रा करने की अनुमति दी थी। गौरतलब है कि कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी के पति वाड्रा प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) द्वारा दर्ज धन शोधन के एक मामले में अभी जमानत पर हैं।

हमारे सहयोगी संरक्षक एवम् ब्यूरो प्रमुख
प्रधान सम्पादक – नरेन्द्र कुमार
सहयोगी संरक्षक
अनिल सेठी
नरेश ए बाबू-कार्यकारी निदेशक
संपादन सहयोगी - मोहित शुक्ला
सदस्य एवं रिपोर्टर
•राजकुमार कश्यप (दिल्ली) •दीपक कुमार (पटियाला)
• वीरेन्द्र कुमार ठाकुर •वीरेंद्र सिंह बघेल (फरीदाबाद)
• अनीता सिंह •राम नाथ •मुकेश गुप्ता, मीनाक्षी निगम
•मोहम्मद शमशेर (दिल्ली) • मुकेश जोशी (उत्तराखण्ड)
• अशोक कुमार, काजल शर्मा (गुरूग्राम)
• अवध किशोर त्रिपाठी (अहमदाबाद)
•श्याम लाल (मेरठ) •रामनरेश सिंह (पडरौना, उत्तरप्रदेश)
•नवीन सुरेल, तालबहेट, ललितपुर, (झाँसी)
• ओम शुक्ला, मनीष शुक्ला, शिवम शुक्ला (कानपुर)
• ओमपाल वर्मा, इन्द्रमणी मंडल (रायपुर छत्तीसगढ़)
• फ्रूमू लामों सिलीगुड़ी, रोशन कुमार मिश्रा (पश्चिम बंगाल)
■ पिंटू बनर्जी (पश्चिम बंगाल)
उपरोक्त सभी पद अवैतनिक हैं।
समाचार पत्र में प्रकाशित सामग्री, लेख, रचनाओं, एवम् विज्ञापनों में लेखकों और विज्ञापन दाताओं के अपने विचार हैं। इसके लिए दिल्ली क्राईम व भ्रष्टाचार विरोधी मोर्चा की किसी भी तरह की जिम्मेदारी नहीं है। किसी भी विवाद की स्थिति में न्याय क्षेत्र दिल्ली ही मान्य होगा।
विशेष :- किसी भी परिस्थिति में निर्णय लेने का अधिकार केवल संपादक को है।
S-529, स्कूल ब्लॉक, शकरपुर, दिल्ली - 110092
संपर्क – 011-35631400
Customer Care No.
8375000672

ADVERTISMENT RATE TARIFF PLAN

FULL PAGE | HALF PAGE | QUARTER PAGE

FULL FRONT PAGE	₹ 1,20,000/-
FULL INNER PAGE	₹ 60,000/-
FULL BACK PAGE	₹ 90,000/-
HALF FRONT PAGE	₹ 66,000/-
HALF PAGE INNER	₹ 36,000/-
HALF PAGE BACK	₹ 51,000/-
QTR. PAGE FRONT	₹ 36,000/-
QTR. PAGE INNER	₹ 21,000/-
QTR. PAGE BACK	₹ 30,000/-

Classifieds Ads. Per Column / 3 CM. Rs.2100/-
Visiting Card Size Advertisements:
Front Page Rs. 6000/- Back Page Rs. 4500/-
Inner Page Rs.3000/-

DELHI CRIME 26 sep 2022:Layout 1 9/25/2022 9:12 AM Page 8

पठान की डबिंग में व्यस्त हैं दीपिका

- फिल्म में निभाया अहम रोल

मुंबई (ईएमएस)। बालीवुड एक्ट्रेस दीपिका पादुकोण शाहरुख खान की पठान की डबिंग से जुड़े काम में व्यस्त हैं। उन्होंने फिल्म में अहम रोल निभाया है। एक्ट्रेस ने अपने इंस्टाग्राम पर फिल्म स्क्रिप्ट की एक तस्वीर साझा की और ज्यादा खुलासा किए बिना कैप्शन में पठान का जिक्र किया। बता दें कि अयान मुखर्जी की ब्रह्मास्त्र पार्ट वनः शिवा में थोड़े वक्त के लिए नजर आई थीं। दीपिका पादुकोण के कई प्रशंसकों ने उनकी पोस्ट पर कई कमेंट्स किए हैं। उनमें से एक यूजर ने लिखा, बॉलीवुड का सूखा खत्म होगा, जबकि दूसरे यूजर ने लिखा, पठान को लेकर काफी रोमांचित हूं। एक अन्य प्रशंसक ने लिखा, और इंतजार नहीं होता! सिद्धार्थ आनंद द्वारा निर्देशित पठान में जॉन अब्राहम भी मुख्य भूमिका में होंगे। फिल्म के निमार्ताओं ने अगस्त में एक्टर्स के फर्स्ट लुक पोस्टर साझा किए थे, जिसे उनकी को-एक्ट्रेस दीपिका पादुकोण ने भी अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर शेयर किया था। शाहरुख खान ने जून में पठान से अपना मोशन पोस्टर सोशल मीडिया पर साझा किया था, जिसमें फिल्म की रिलीज की तारीख का भी खुलासा किया था। शाहरुख खान मोशन पोस्टर में काफी दमदार नजर आ रहे हैं। उन्होंने कैप्शन में लिखा था, 30 साल और गिनती नहीं, क्योंकि आपका प्यार और खुशी अनंत है।25 जनवरी 2023 को यशराज फिल्म्स के साथ पठान का जश्न मनाए। बता दें कि यह फिल्म हिंदी के अलावा तमिल और तेलुगु भाषाओं में भी रिलीज होगी। दीपिका ने कुछ हफ्ते पहले भी फिल्म से अपना फर्स्ट लुक शेयर किया था। पठान के अलावा दीपिका, ऋतिक रोशन की फाइटर में भी नजर आएंगी।

राधिका के लिए सहज है सैफ अली खान के साथ काम करना

-सैफ का साथ है उनका यह तीसरा प्रोजेक्ट

मुंबई (ईएमएस)। बालीवुड अभिनेत्री राधिका आप्टे का कहना है कि वह अभिनेता सैफ अली खान के साथ काम करने में बहुत सहज हैं। राधिका ने कहा, "मैंने 'विक्रम वेधा' को चुना क्योंकि मुझे वास्तव में इस विषय का आनंद मिला, मैंने मूल को देखा, दक्षिण वाला। साथ ही निर्देश-ाक बहुत अद्भुत हैं, और जिस कास्ट के लिए मुझे उनके साथ काम करने का मौका चाहिए था। सैफ के साथ काम करना बहुत अच्छा है, उनके साथ यह मेरा तीसरा प्रोजेक्ट है।"मैं उनके साथ काम करने में बहुत सहज महसूस करती हूं, और मैं वास्तव में उन्हें एक व्यक्ति के रूप में पसंद करती हूं, वह बहुत मजाकिया है और जब भी मैं उनसे मिलती हूं तो दिलचस्प बातचीत होती है।" इसके बाद उन्होंने ऋतिक रोशन के साथ काम करने की बात कही। "और मैं पहली बार ऋतिक से मिली और मेरे पास उनके साथ एक ध्श्य था और यह वास्तव में बहुत प्यारा था, हां। मुझे वह पसंद है जो निर्देशक फिल्म में कहने की कोशिश कर रहे हैं, मुझे उनकी शैली पसंद है और हमारा सहयोग वास्तव में एक बहुत प्यारा अनुभव था।"'विक्रम वेधा' पुष्कर-गायत्री द्वारा लिखित और निर्देशित एक एक्शन-थ्रिलर है। 'विक्रम वेधा' की कहानी ट्विस्ट और टर्न से भरी है, क्योंकि एक सख्त पुलिस वाला विक्रम (सैफ अली खान) एक खूंखार गैंगस्टर वेधा (ऋतिक रोशन) को ट्रैक करने और उसका पीछा करने के लिए निकलता है। 'विक्रम वेधा' गुलशन कुमार, टी-सीरीज और रिलायंस एंटरटेनमेंट द्वारा फ्राइडे फिल्मवर्क्स एंड जियो स्टूडियोज और एक वाईनॉट स्टूडियोज प्रोडक्शन के सहयोग से प्रस्तुत किया गया है। यह फिल्म पुष्कर और गायत्री द्वारा निर्देशित और भूषण कुमार और एस। शशिकांत और रिलायंस एंटरटेनमेंट द्वारा निर्मित है। विक्रम वेधा 30 सितंबर को वैश्विक स्तर पर बड़े पर्दे पर दस्तक देगी। बता दें कि राधिका आप्टे सैफ के साथ 'सेक्रेड गेम्स' और 'बाजार' में पहले भी काम कर चुकी हैं।

दर्शकों को फिल्म 'ब्रह्मास्त्र' के दूसरे पार्ट का इंतजार

-दीपिका पादुकोण हो सकती है लीड रोल में

मुंबई (ईएमएस)। दर्शक फिल्म 'ब्रह्मास्त्र' का पहला पार्ट देखने के बाद अब इसके दूसरे पार्ट का ब्रेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। वहीं फिल्म के दूसरे पार्ट को लेकर बताया जा रहा है कि बॉलीवुड एक्ट्रेस दीपिका पादुकोण लीड रोल में देखी जाएंगी। अब इस फिल्म के डायरेक्टर अयान मुखर्जी ने चुप्पी तोड़ते हुए जवाब दिया है। इसके साथ ही उन्होंने पहले पार्ट में दीपिका के कैमियो को भी खाि-रज कर दिया है। बता दें कि अयान मुखर्जी ने ब्रह्मास्त्र के दूसरे पार्ट के लिए दीपिका पादुकोण को अप्रोच किया है। रिपोर्ट्स के अनुसार, दूसरे पार्ट में दीपिका लीड रोल में दिखी जाएंगी। उन्हें टीम ने दूसरे पार्ट में अमृता के रोल के लिए अप्रोच किया गया है। बता दें कि पहले पार्ट में नन्हें से शिवा (रणबीर कपूर) को गोद में लिए एक औरत की झलक दिखती है जो अमृता है। सबका मानना है कि ये झलक दीपिका पादुकोण की है। गौरतलब है कि अमृता, शिवा की मां हैं। अब इस पर अयान का कहना है कि घने अंधेरे में एक परछाई दिख रही वो परछाई तो किसी की भी हो सकती है। अयान मुखजीर्ने ब्रह्मास्त्र के पहले पार्ट और दीपिका के कैमियो पर रिएक्शन दिया और कहा, जिस पार्ट को लेकर लोग सवाल कर रहे हैं इसमें दीपिका पादुकोण हैं। वह सीन एक डार्क है और उसमें किरदार का चेहरा साफ नहीं दिखाया गया है। मुझे लगता है कि आपने इसकी कल्पना की है क्योंकि वह तस्वीर इतनी डार्क थी कि उसमें एक्टर का चेहरा नहीं दिख रहा था। यहां अयान के कहने का मतलब है दीपिका पादुकोण ना ही ब्रह्मास्त्र पार्ट 1 का हिस्सा थीं और ना ही 2 का हिस्सा हैं। मालूम हो कि रणबीर कपूर और आलिया भट्ट स्टारर फिल्म ब्रह्मास्त्र पार्ट वनः शिवा लगातार खबरों में बनी हुई है। 9 सितंबर को रिलीज हुई इस फिल्म ने दुनियाभर में धूम मचा दी है। बॉक्स ऑफिस पर इसकी रौनक देखते ही बन रही है।

गुजराती गृहिणी का किरदार निभाएंगी माधुरी

बॉलीवुड की मशहूर अभिनेत्री माधुरी दीक्षित आगामी स्ट्रीमिंग फिल्म 'मजा मा' में एक गुजराती गृहिणी के रूप में एक में अपना किरदार निभाती दिखेंगी। फिल्म का ट्रेलर गुरुवार को मुंबई के जुहू इलाके में एक पांच सितारा होटेल में मीडिया के सामने जारी किया गया। फिल्म माधुरी दीक्षित को एक जटिल और निडर अवतार में प्रस्तुत करती है। फिल्म में अपने हिस्से के बारे में बात करते हुए, अभिनेत्री ने एक बयान में कहा कि वह फिल्म का हिस्सा बनने के लिए "रोमांचित" हैं। यह जटिल बारीकियों वाली भूमिका है जिसे मैंने पहले कभी नहीं निभाया है।" उन्होंने उपस्थित मीडिया से कहा, "'मजा मा' के साथ, मैं जिस चीज को लेकर सबसे ज्यादा उत्साहित हूं, वह है मेरा कैरेक्टर। यह जटिल बा-रीकियों के साथ एक भूमिका है जिसे मैंने पहले कभी नहीं निभाया है।" ऐसा पहली बार होगा जब माधुरी गरबा की थाप पर डांस करती नजर आएंगी। फिल्म में गजराज राव, ऋत्विक भौमिक, बरखा सिंह, सृष्टि श्रीवास्तव, रजित कपूर, सिमोन सिंह, शीबा चड्ढा, मल्हार ठाकर और निनाद कामत भी प्रमुख भूमिकाओं में हैं।

ठीक से चल नहीं पा रही थी सारा अली खान

- एक्ट्रेस की हरकत देख शॉक्ड रह गए नेटिजेंस

मुंबई (ईएमएस)। बॉलीवुड एक्ट्रेस सारा अली खान का एक वीडियो सामने आया है, जिसमें एक्ट्रेस लड़खड़ाती हुए नजर आ रही हैं। सारा अपनी दोस्त शर्मिन सहगल के साथ मुंबई में एक रेस्टोरेंट के बाहर स्पॉट की गईं।सारा को देखते ही कैमरे के फ्लैश चमकने लगे। सारा ठीक से चल नहीं पा रही थीं और उनकी दोस्त शर्मिन उन्हें बार-बार सहारा देते हुए नजर आ रही हैं। सारा अली खान का कुछ दिन पहले का एक वीडियो वायरल हो रहा है, जिसमें एक्ट्रेस अपनी दोस्त शर्मिन के साथ रेस्टोरेंट के अंदर प्रवेश करती हैं तो वहां खड़े सिक्योरिटी गार्ड को छूते हुए आगे बढ़ जाती हैं। ये वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने लगा और लोग जमकर एक्ट्रेस को ट्रोल करने लगे। एक यूजर ने वीडियो ट्विटर पर शेयर कर कहा कि लोग पूछते हैं कि क्यों बॉलीवुड को बायकॉट किया जा रहा है, ये है इसकी वजह। ड्रगवुड हमारी जेनरेशन को बर्बाद कर रही है। इस वीडियो पर लोग अपनी भड़ास निकाल रहे हैं। किसी ने कहा कि बेचारे सिक्योरिटी गार्ड के साथ गलत हुआ, अगर यही हरकत कोई आदमी किसी महिला के साथ करता तो उस पर मोलेस्टेशन का आरोप लग जाता। यही नहीं तमाम लोग गार्ड के समर्थन में वकालत करते हुए पुरुषों की रक्षा करने वाले कानून की जरूरत के बारे में भी बात कर रहे हैं। वहीं कुछ लोग कह रहे हैं कि सारा ने कुछ गलत नहीं किया।

सायली सालुंखे को याद आया पुराने दिन

छोटे परदे की एक्ट्रेस सायली सालुंखे ने याद किया कि कैसे उन्होंने मनोरंजन उद्योग में अपनी जगह बनाई और उन्हें अपना पहला प्रोजेक्ट मिला। उन्होंने कहा, "मैं टीवी उद्योग में आने से पहले गाने गाती थी। इसलिए, मेरे एक दोस्त ने मुझसे पूछा कि क्या मुझे संगीत वीडियो करने में दिलचस्पी है, जिसके लिए मैंने एक निश्चित हां कहा। जब मैं ऐसा कर रही थी, तो एक चैनल कर्मचारी ने मुझसे संपर्क किया। और टेलीविजन पर आने में मेरी रुचि के बारे में पूछा।"सायली शो में इंदु की भूमिका निभा रही हैं, जो करण वी ग्रोवर द्वारा निभाए गए रितेश मल्होत्रा से प्यार करती है। जीवन के प्रति इंदु का द्रष्टिकोण बदल जाता है जब वह एक नवजात अनाथ बच्चे, जून (कियारा साध) से मिलती है और उसे पालने का फैसला करती है। अपने पहले मराठी धारावाहिक 'छतरीवाली' के बारे में बात करते हुए, उन्होंने कहा, "मैंने 'हां' के साथ जवाब दिया, यह कहते हुए कि मैं इसे करना पसंद करूंगी। इस तरह मैंने टेलीविजन उद्योग में शुरूआत की और अब तक मुझे अपनी यात्रा से प्यार हो गया है।" बता दें कि एक्ट्रेस सायली सालुंखे वर्तमान में टीवी शो 'बहुत प्यार करते हैं' में नजर आ रही हैं।

'कैप्टन मिलर' में नजर आएगी प्रियंका मोहन

निर्देशक अरुण मथेश्वरन की बहुप्रतीक्षित धनुष-स्टारर 'कैप्टन मिलर' के निमार्ताओं ने घोषणा की है कि अभिनेत्री प्रियंका मोहन फिल्म में मुख्य भूमिका निभाएंगी। अभिनेत्री प्रियंका मोहन ने ट्वीट किया, "इस विशाल परियोजना का हिस्सा बनने और धनुष के. राजा सर के साथ जुड़ने के लिए खुश हूं, अरुण मथेश्वरन सर और सत्य ज्योति फिल्म्स को धन्यवाद। शूटिंग शुरू होने वाली है।" सत्य ज्योति फिल्म्स, जो फिल्म का निर्माण कर रही है, ने ट्वीट किया, "हमें 'कैप्टन मिलर' के लिए भव्य और प्रतिभाशाली प्रियंका मोहन का स्वागत करते हुए खुशी हो रही है।"कैप्टन मिलर सत्य ज्योति फिल्म्स के टी.जी. त्यागराजन और सेंथिल त्यागराजन और अर्जुन त्यागराजन द्वारा निर्मित है। फिल्म जी सरवनन और साई सिद्धार्थ द्वारा सह-निर्मित है और इसका निर्देशन अरुण मथेश्वरन द्वारा किया जा रहा है, जिन्होंने 'रॉकी' और 'सानी कायधाम' जैसी समीक्षकों द्वारा प्रशंसित फिल्मों के लिए प्रसिद्धि प्राप्त की।फिल्म में संगीत जी.वी. प्र-काश कुमार ने दिया है और संवाद मदन कार्की के हैं।

नागार्जुन के साथ स्क्रीन शेयर करेंगी सोनल चौहान

टॉलीवुड के स्टार अभिनेता नागार्जुन के साथ उनकी अभिनेत्री सोनल चौहान की आगामी एक्शन-थ्रिलर फिल्म 'द घोस्ट' आ रही है उनके साथ काम करके वे बेहद उत्साहित हैं। सोनल ने अपने सोशल मीडिया प्रोफाइल पर एक बिहाइंड द सीन्स (बीटीएस) वीडियो साझा किया, जिसमें खुद को और नागार्जुन को हथियारों का प्रशिक्षण देते हुए दिखाया गया है। बीटीएस वीडियो में एक्शन दृश्यों के लिए तैयारी करते हुए और कुछ भारी हथियार पकड़े हुए उन्हें कुछ अलग करते हुए देखा जा सकता है। हाल ही में, सोनल सेट पर घायल हो गई थीं। अभिनेत्री को एमएमए प्रशिक्षण के दौरान फ्रैक्चर हो गया था और उन्हें कुछ हफ़्ते के लिए किसी भी एक्शन दृश्यों से बचने के लिए कहा गया था, लेकिन इसके बावजूद उन्होंने शूि-टंग जारी रखी। 'द घोस्ट', प्रवीण सत्तारू द्वारा लिखित और निर्देशित है। फिल्म में गुल पनाग, अनिखा सुरेंद्रन, मनीष चौधरी, रवि वर्मा और श्रीकांत अयंगर भी हैं। यह फिल्म 5 अक्टूबर 2022 को रिलीज होने वाली है।

सूडोकु नवताल- 6204

सरल

2		8	5	1	9	6		7
					8			1
		7	4	6		8		9
3	2				7			8
1		9		4		7		5
4			2				9	3
6		3		5	1	9		
8			3					
7		1	9	2	6	3		4

Jagrutidaur.com, Bangalore

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -6203 का हल

7	1	9	8	5	3	2	6	4
4	5	3	6	2	9	7	1	8
6	2	8	4	7	1	9	5	3
9	8	2	7	3	5	1	4	6
1	3	6	9	4	8	5	7	2
5	7	4	1	6	2	8	3	9
8	4	7	5	9	6	3	2	1
3	6	1	2	8	7	4	9	5
2	9	5	3	1	4	6	8	7

शब्दजाल - 6951

त	स	ही	त्म	ली	अ	ल	बे	ला	प	दे	
क	अ	अ	रो	त	अ	ला	र	न	र	जू	
आ	स	शौ	क	ही	न	भि	द	गू	जू	वत	
गे	अ	की	आ	र	रा	गु	अं	प	दे	ल	
की	अ	न	त	अ	ला	ला	न	श	मा	क	
सो	चा	ल	बा	ज	न	द	ल	ल	व	त	
च	अ	सौ	र	जा	ला	गु	गो	प	दे	आ	
ह	पु	मो	व	दो	वा	द	ह	झू	ठी	ग	
क	ष्प	ह	व	प	जा	द	व	प	र	र	
र	क	ब्ब	फा	प	स	सू	ह	वि	बा	क	
स	बा	तें	व	न	ज	द	स	गा	ह	र	

शब्द जाल में 10 प्रसिद्ध हास्य फिल्मों के नाम ढूंढिए. दिए गए शब्द उपर से नीचे एवं तिरछे भी हैं.

दो जासूस, अलबेला, गोलमाल, शौकीन, चालबाज, हीरो हीरालाल, आगे की सोच, झूठी, अंगूर, पुष्पक.

शब्दजाल - 6950 का हल

Jagrutidaur.com, Bangalore

अष्टयोग-5904

2		3	7			4
1	26		40	5	32	
		4			2	
7	36	6	32	3	26	2
	3			4	1	
4	28	5	28		33	1
		1		7	6	

प्रस्तुत खेल सुडोकू व जोड़ की पद्धति का मिश्रण है. खड़ी व आड़ी पंक्तियों में 1से 7 तक के अंक लिखने अनिवार्य हैं. गहरे काले वर्ग में लिखी संख्या चारों और के 8 वर्गों की संख्या का कुल योग होगी. सीधी अथवा आड़ी पंक्तियों में 1 से 7 तक के अंक होना अनिवार्य है.

अष्टयोग 5903 का हल

6	3	2	5	4	1	7
1	31	7	35	5	29	3
5	3	4	7	1	2	6
7	31	6	37	3	29	2
2	1	3	7	6	5	4
4	23	5	33	2	36	1
3	4	1	2	7	6	5

Jagrutidaur.com, Bangalore

स्वामी एवं संपादक इंद्रा द्वारा S-529, स्कूल ब्लॉक, शकरपुर, दिल्ली - 110092 से जारी
Customer Care No:- 8375000672, For News & Advertisement- 8375000984, Email-info@delhicrimepress.in, Website- www.Delhicrimepress.in